News सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-16
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

जीवन में विजेता कुछ अलग नहीं करते परंतु वह चीजों को ही अलग तरीके से करते हैं।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 22 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

जल गंगा संवर्धन अभियानः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की शिप्रा घाट की सफाई, कहा- 29 किमी के नए घाट तैयार होंगे

उज्जैन कुंभ में नौकायन के लिए शिप्रा नदी पर बनेगा जल मार्ग

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन के पवित्र रामघाट पर जल गंगा संवर्धन अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने शिप्रा नदी में डुबकी लगाई और घाट की सफाई कर सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सीएम यादव ने कहा कि शिप्रा नदी के किनारे पंचकोशी परिक्रमा की एक पुरानी परंपरा रही है। हर साल हजारों-लाखों लोग यहां आकर परिक्रमा करते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने घाट की सफाई में भाग लिया और वे खुद घाट पर पड़े कचरे को हटाते नजर आए। उन्होंने कहा कि पंचकोशी परिक्रमा की शुरुआत में श्रद्धालु जब यहां स्नान करेंगे, तो घाट पर स्वच्छता और जल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। खासकर नदी के अंदर जो गंदगी जम जाती है, उसे साफ करना जरूरी है। सीएम ने कहा कि आने वाले कुम्भ में उज्जैन में शिप्रा नदी के अलग-अलग भागों में लोग नौकायन कर एक जगह से दूसरी जगह जा सकेंगे। इसके लिए जलमार्ग बनाया जा रहा है।

कुम्भ में हर घाट रामघाट होगा

सीएम ने कहा कि सिध्दनाथ से त्रिवेणी तक 29 किमी के नए घाट तैयार होंगे। पहले से 6 किमी के घाट बने हुए है। इस तरह से कुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को 35 किमी के घाट उपलब्ध होंगे। कुम्भ में हर घाट रामघाट होगा। श्रद्धालु कहीं भी स्नान करेंगे उन्हें उतना ही पुण्य मिलेगा। इस बार कुम्भ में जलमार्ग बनाने जा रहे है। शनि मंदिर से रामघाट, गऊघाट से लालपुर, मंगलनाथ से रामघाट तक नौकायन से लोग आना-जाना कर सकेंगे।

कोई ग्लेशियर नहीं होने के बावजूद मप्र नदियों का मायका

मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलेगा। इसका उद्देश्य प्रदेश की नदियों और अन्य जल स्रोतों का संरक्षण करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश वास्तव में नदियों का मायका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रदेश में कोई ग्लेशियर नहीं होने के बावजूद, यहां की भौगोलिक और वन संपदा के साथ-साथ जनभागीदारी के कारण पर्याप्त जलराशि उपलब्ध है। उन्होंने नर्मदा, केन-बेतवा, चंबल और सोन जैसी प्रमुख नदियों का उल्लेख करते हुए बताया कि ये न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पड़ोसी राज्यों के लिए भी जीवनदायिनी हैं। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की कुल जलराशि किसी भी तरह से हिमालय के जल स्रोतों से कम नहीं है। उन्होंने जल स्रोतों के उचित रखरखाव, भूगर्भ जल भंडारण क्षमता में वृद्धि और जल के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'जल ही जीवन है' के आह्वान को दोहराते हुए बताया कि राज्य सरकार अमृत सरोवर, खेत तालाब और पुरानी जल संरचनाओं के पुनरुद्धार के माध्यम से जल संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मैं उज्जैन प्रवास पर आया था। शिप्रा को नमन करते हुए मैंने यहां स्नान भी किया और सेवा भाव से कार्य किया। यह हम सबका फर्ज भी है।

सरेंडर करें नक्सली, नहीं तो मार दिए जाएंगे

सीएम डॉ मोहन यादव ने नक्सलियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के पास दो ही विकल्प हैं। सरेंडर करें नहीं तो मार दिये जाएंगे और कोई रास्ता नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालाघाट और मंडला में कई नक्सली मारे गए हैं। 2026 तक नक्सलवाद मुक्त पर काम हो रहा है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने नक्सलियों को चेतावनी दी। सीएम ने कहा कि 2026 तक नक्सलवाद समाप्त होगा। हम इस पर काम कर रहे हैं। बालाघाट और मंडला में लगातार नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाया गया और 10 से ज्यादा दुर्दांत नक्सली मारे भी गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जनता को सुरक्षित रखने के लिए लाल आतंक को समाप्त करने का संकल्प लिया है। आपको बता दें कि बीते सप्ताह केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान अमित शाह ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। वहीं एक मार्च को बालाघाट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कहा था कि नक्सलवादियों के पांव जमने नहीं देंगे। जो जरूरत पड़ेगी सब कुछ करेंगे। नक्सलियों को नहीं रहने देंगे यह पक्की बात है। नक्सलियों को स्कूल-सड़क पसंद नहीं आती। दादागिरी के दम पर आतंक फैलाकर माहौल बनाते हैं। इनकी जगह यहां नहीं रहने वाली है। उनके सफाए के लिए गृहमंत्री अमित शाह संकल्पित हैं। हर दो-तीन महीने में दिल्ली में मीटिंग कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ भी लगातार आ रहे हैं।

ड्राइवर को लगी झपकी... पटना से इंदौर लौट रही कार 10 फीट गहरी खाई में गिरी

बेटे की शादी कर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार, 6 की मौत

इंदौर/रायसेन। मप्र के रायसेन जिले में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराई और 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है, वहीं तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। शादी करवाकर बिहार की राजधानी पटना से इंदौर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हुआ है। इसमें दो महिला, एक बच्ची समेत तीन पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत तीन लोग घायल हो गए हैं। परिवार के सभी लोग बिहार के सुपौल से शादी करके अपने शहर इंदौर लौट रहे थे। कार में 9 लोग सवार थे। तभी रायसेन जिले में स्थित भोपाल जबलपुर रोड पर दर्दनाक हादसा हुआ। शुरुआती

जांच में हादसे की वजह ड्राइवर को झपकी लगना बताया जा रहा है। इसके चलते गाड़ी पुलिया से टकराई और खाई में जा गिरी। सूचना मिलने पर रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ओर एसपी पंकज कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायलों को ढाबे संचालक के साथ स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। एसपी पंकज पांडेय ने बताया कि 2 महिला, 1 बच्ची समेत 3 पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना बम्होरी ढाबे के पास बंदर वाली पुलिया के पास घटी है। घायल दूल्हे का नाम दीपक चोपड़ा, दुल्हन का नाम संगीता है। इसके साथ उनके जीजा भी हैं। तीनों को रायसेन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के नाम- मोहन लाल पिता महावीर प्रसाद, चेता देवी पति मोहन लाल मुरली, नरेंद्र चोपड़ा पिता बलराम चोपड़ा, सरिता राते सोलवाल, 2 साल की बच्ची तरुवी उर्फ कीनू और ड्राइवर शामिल हैं।

बम्होरी गाव में सुबह 6 से 7 बजे के बीच हुआ हादसा- एसपी पंकज कुमार पांडे ने बताया कि हादसा भोपाल जबलपुर हाइवे के बम्होरी गाव में हुआ सुबह 6 से 7 के बीच हादसा ड्राइवर को आया नींद झोंका ओर तूफान गाड़ी 10 फिट गहरी खाई में गिरी इस हादसे में 6 लोगों की दुखद मौत हो गयी दूल्हा दुल्हन सहित कुल तीन लोग हुए घायल। घायलों को जिला अस्पताल से भोपाल रेफर किया और बम्होरी गांव के लोगों ने सुल्तानपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने मृतकों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल रैफर किया गया। प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

घायलों को इलाज के लिए भेजा भोपाल-घायलों को पहले जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन उनकी हालत को देखते हुए उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे और मृतकों के शवों को इंदौर भेजने की व्यवस्था की। हादसे में दूल्हे का भाई नरेंद्र चोपड़ा, पिता रवि और गाड़ी के ड्राइवर सौरभ शर्मा समेत अन्य परिवार के सदस्य भी मारे गए।

सांवलिया सेठ के दर्शन को जा रहा उज्जैन का परिवार हादसे का शिकार, 4 की मौके पर मौत

राजस्थान में स्थित सांवलिया सेठ के दर्शन को जा रहे सड़क हादसे में उज्जैन जिले के चार लोगों की मौत हो गई,वहीं तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार 7 लोग स्कॉर्पियो से नीमच निंबाहेड़ा मार्ग से सांवलिया सेठ के दर्शन करने को जा रहे थे। इस दौरान उनकी स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकरा कर रांग साइड से आ रहे कंटेनर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे में घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया वहीं पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा बनाकर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के जिला अस्पताल लिए पंहुचाया है। उज्जैन जिले के इंगोरिया थाना क्षेत्र के 7 लोग स्कार्पियो वाहन से राजस्थान के मंडफिया स्थित सांवरिया सेठ के दर्शन को रविवार निकले थे। जहां नीमच निंबाहेड़ा मार्ग पर स्कॉर्पियो तेज गति और अनियंत्रित होने से डिवाइडर से टकराकर रॉन्ग साइड आ रहे एक कंटेनर में घुस गई, जिसमें इंगोरिया और उज्जैन के रहने वाले चार लोगों की मौत हो गई। हाथ ठेके दौरान मौके पर भीड़ जमा हो गई और कंटेनर का ड्राइवर अपना वाहन छोड़कर भाग खड़ा हुआ। हादसे में आसपास के रेवासी और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर गाड़ी से मृतकों के शव निकाले और घायलों को उपचार के लिए पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंचे पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक के नाम अनिल पिता रामचंद्र निवासी नरवर उज्जैन,राजा निवासी इंगोरिया,गौरव निवासी इंगोरिया,संजू निवासी बदनावर उज्जैन जिले की निवासी है। वहीं घायलों के नाम दीपक,योगेश,सुनील इंगोरिया निवासी उज्जैन के बताए जा रहे हैं।

भारतीय मूल की पत्नी और बच्चों के साथ मोदी से मिले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सोमवार को अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर दिल्ली पहुंचे। अमेरिका और चीन के बीच जारी ट्रेड वॉर के बीच जेडी वेंस का भारत दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच व्यापार समझौते और सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर बात होगी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा चिलुकुरी और उनके तीन बच्चे इवान, विवेक, मीराबेल और वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। जेडी वेंस ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर में दर्शन भी किए। जेडी वेंस अपने परिवार के साथ लगभग चार घंटे तक अक्षरधाम मंदिर में रहे। उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मिराबेल ने पारंपरिक भारतीय परिधान पहने थे। जेडी वेंस के परिवार को लकड़ी का नक्काशीदार हाथी, अक्षरधाम मंदिर का मॉडल और बच्चों की किताबें उपहार में दी गईं। भारतीय मूल की पत्नी उषा वेंस और अपने तीन बच्चों के साथ जेडी वेंस जनपथ स्थित एक एम्पोरियम गए, जहां उन्होंने मिट्टी के बर्तन और चाय की थैलियां और मिट्टी के बर्तन खरीदे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ भारत यात्रा पर आए उनके तीन बच्चे विशेष रूप से चुने गए पारंपरिक भारतीय परिधान में थे जिसने लोगों का दिल जीत लिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जल्द ही आईएमएफ की बैठक के लिए वाशिंगटन जाएंगी। माना जा रहा है वित्तमंत्री वहां भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने को लेकर बैठक करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत की। यह बातचीत भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के प्रयासों के बीच हुई। इस मीटिंग में भारत-अमेरिका के रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने और वाशिंगटन की व्यापार नीतियों में हाल ही में हुए बदलावों पर नई दिल्ली की चिंताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

विश्व ने खोया 'शांति का मसीहा'

चर्च में सुधारों को बढ़ावा देने वाले पोप फ्रांसिस का 88 साल के उम्र में निधन

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने वेटिकन सिटी स्थित अपने निवास कासा सांता मार्टा में अंतिम सांस ली। वेटिकन के कैमर्लेंगो कार्डिनल केविन फेरेल ने बताया कि पोप फ्रांसिस ने रोम के समय के हिसाब से सोमवार सुबह 7.35 बजे अंतिम सांस ली। वे 88 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पोप फ्रांसिस को कुछ समय पहले निमोनिया हो गया था। उनकी तबीयत काफी ज्यादा बिगड़ गई थी लेकिन वे इससे उबर रहे थे। फेरेल ने अपने बयान में कहा कि पोप फ्रांसिस का पूरा जीवन गॉड और चर्च की सेवा में समर्पित रहा। उन्होंने लोगों को हमेशा प्रेम और साहस के साथ जीने का पाठ पढ़ाया। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद अब नए पोप का चुनाव किया जाएगा। कार्डिनल मिलकर नए पोप का चुनाव करेंगे। पोप फ्रांसिस का जन्म 17 दिसंबर 1936 को अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था। उनका असली नाम जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो था। उन्होंने सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में 'फ्रांसिस' नाम चुना, जो विनम्रता, गरीबी और शांति के प्रति अपने समर्पण के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 13 मार्च 2013 को पोप का पद संभाला था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का सर्वोच्च धर्म गुरु का पद है। रोम के बिशप और वैटिकन के राज्याध्यक्ष को पोप कहा जाता है। पोप फ्रांसिस लैटिन अमेरिका से आने वाले पहले पोप थे। पोप फ्रांसिस ने अपने कार्यकाल में चर्च में सुधारों को बढ़ावा दिया। उनको अपने मानवीय क्षेत्र में किए कामों के लिए भी जाना गया। पोप फ्रांसिस के स्वास्थ्य की चुनौतियां कोई नई बात नहीं थीं।

मप्र में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई, शीर्ष कोर्ट ने सभी 52 ट्रांसफर पिटीशन को किया स्वीकार और दिया अहम सुझाव...

नियुक्ति नहीं देने वालों के खिलाफ पिटीशन लगाए ओबीसी महासभा

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के मामले पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लगाई गई सभी ट्रांसफर पिटीशन को स्वीकार कर लिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकारी विभागों में चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति होल्ड करने का मामला भी सुनेंगे। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने अहम सुझाव भी दिया। कोर्ट ने ओबीसी महासभा के अधिवक्ता से कहा कि नियुक्ति नहीं देने, एक्ट का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ पिटीशन लगाइए, उस पर सुनवाई करके हम निर्देश जारी करेंगे। इस मामले की अगली सुनवाई की तिथि चीफ जस्टिस निर्धारित करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जज उज्जवल भुयान की पीठ के ओबीसी आरक्षण के खिलाफ लगाई गई कुल 52 ट्रांसफर पिटीशन पर सुनवाई की। न्यायालय ने उसके समक्ष रखी गई स्थानांतरण याचिकाओं को स्वीकृत कर सारे केस सुप्रीम कोर्ट में बुलाने का आदेश दिया। इन मामलों की सुनवाई अब रिट याचिका (सिविल) संख्या 423/2019 के साथ की जाएगी। मप्र के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट से इस मामले में जल्द सुनवाई का आग्रह किया। महाधिवक्ता ने कहा कि यह एमपी की 50 फीसदी आबादी से जुड़ा मामला है। ओबीसी महासभा के वकीलों ने कोर्ट के समक्ष सरकारी नियुक्तियां नहीं देने का मुद्दा उठाया। वकीलों ने बताया कि प्रदेश में कई विभागों में भर्ती हुई, जिनमें बड़ी संख्या में उम्मीदवार चुने गए।

एमपी में परिवहन जांच प्रक्रिया में बदलाव अवैध वसूली रोकने नए नियम लागू

इंदौर। मध्य प्रदेश में परिवहन जांच चौकियों को बंद किए जाने के बावजूद वाहनों से अवैध वसूली की शिकायतें लगातार परिवहन विभाग के पास पहुंच रही थीं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें परिवहन चेक प्वाइंट और संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड को 15 मिनट में वाहन की जांच पूरी करना होगी। बगैर वाजिब कारण के वाहन को इससे अधिक समय तक नहीं रोका जा सकेगा। अधिक समय तक रोके जाने पर इसका कारण बताना होगा। एक वाहन की जांच पूरी होने के बाद ही दूसरे वाहन को उड़नदस्ते रोक सकेंगे। जांच के दौरान बॉडी वार्न कैमरे भी अनिवार्य किए गए हैं। परिवहन आयुक्त के नए आदेश के अनुसार अब जांच केवल अधिकृत वर्दीधारी अधिकारियों की उपस्थिति में ही की जा सकेगी। जांच के दौरान कम से कम एक सहायक परिवहन उप निरीक्षक का मौजूद होना अनिवार्य होगा। कर्मचारियों को वर्दी में रहना होगा और वर्दी पर नाम की प्लेट भी अनिवार्य होगी। **निर्देशों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई-** जांच प्रक्रिया के दौरान किसी भी

निजी व्यक्ति की उपस्थिति को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। रात में जांच करने के दौरान ऐसे स्थान का चयन अनिवार्य होगा, जहां पर पर्याप्त रोशनी हो। स्टाफ को एलईडी बैटन और रिफ्लेक्टिव जैकेट उपलब्ध कराए जाएंगे। परिवहन आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। नए निर्देशानुसार जांच के दौरान परिवहन चेक प्वाइंट और संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड के पास प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन की उपलब्धता अनिवार्य की गई है। इन मशीनों के माध्यम से ही वाहनों के चालान बनाने होंगे। नकद का लेन-देन पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। जहां मशीन उपलब्ध नहीं है, वहां प्राथमिकता से मशीन उपलब्ध कराई जाएगी। परिवहन विभाग के परिवहन चेक प्वाइंट और संभागीय उड़नदस्तों द्वारा की जाने वाली जांच की पूरी रिकार्डिंग की जाएगी। जांच दल को बॉडी वार्न कैमरे लगाने होंगे। जांच के दौरान दो कमरे चालू रहेंगे। इनमें से एक लाइव मोड में होगा। अन्य कैमरे स्टैंड बाय मोड में रहेंगे। कैमरों की निगरानी और रिकार्डिंग की जिम्मेदारी संबंधित यूनिट प्रभारी पर होगी। जांच की रिकॉर्डिंग संभालकर रखना होगी और कैमरों को पूरी तरह से चार्ज रखना होगा।

45 चेक प्वाइंट कर रहे जांच- करीब एक साल पहले मध्य प्रदेश में गुजरात माडल को लागू करते हुए परिवहन चौकियों को बंद कर दिया गया था। इसके स्थान पर अंतरराज्यीय सीमा पर 45 चेक प्वाइंट बनाए गए हैं, लेकिन यहां पर ट्रकों और वाहनों से अवैध वसूली की शिकायतें आने लगी थीं। शिकायतों को देखते हुए परिवहन आयुक्त ने जांच में पारदर्शिता के लिए नए निर्देश जारी किए गए।

जांच में पारदर्शिता आएगी- कुछ समय से वाहनों को रोककर वसूली की जाने लगी थी। इसे लेकर परिवहन आयुक्त को शिकायत भी की गई थी। इस मामले में नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इससे जांच में पारदर्शिता आएगी और वाहन मालिक को बेवजह की वसूली से मुक्ति मिलेगी। वसूली की शिकायत के बाद विगत दिनों चेक प्वाइंट सागर-1 के प्रभारी परिवहन उप निरीक्षक को हटाया भी जा चुका है।

- सीएल मुकाती, अध्यक्ष, इंदौर ट्रक आपरेटर्स एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

तापमान में अचानक गिरावट पर गर्म हवाओं ने बढ़ाई परेशानी

इंदौर। इंदौर में बीते दो दिनों के दौरान दिन और रात के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों ने रविवार को तापमान बढ़ने की संभावना जताई थी, लेकिन दोपहर के समय चली 24 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा के चलते तापमान में गिरावट आ गई। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। यह अप्रैल माह में पहली बार हुआ है जब दिन और रात का तापमान सामान्य स्तर पर पहुंचा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में दोबारा इजाफा हो सकता है।

शनिवार-रविवार के तापमान में फर्क - शनिवार को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था, वहीं न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को अधिकतम तापमान घटकर 39.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो सामान्य के बराबर था, जबकि रात का तापमान भी 22.6 डिग्री रहा। सोमवार सुबह से मौसम पूरी तरह साफ बना रहा और तेज धूप के बावजूद गर्मी से कुछ हद तक राहत महसूस की गई।

पूरा सप्ताह रहेगा साफ मौसम - मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी एक सप्ताह तक मौसम पूरी

तरह साफ बना रहेगा। सुबह 6 बजे से शाम तक तेज धूप रहेगी और दोपहर के समय उत्तर-पश्चिमी दिशा से चलने वाली हवाएं राहत प्रदान करेंगी। इस साल फिलहाल 18 अप्रैल को सबसे अधिक 41.7 डिग्री दर्ज किया गया है। संभावना जताई जा रही है कि अप्रैल के अंतिम तीन दिनों में तापमान 42 डिग्री के आंकड़े को पार कर सकता है।

कमजोर रही प्री-मानसून गतिविधि- पिछले दो वर्षों से अप्रैल महीने में प्री-मानसून की गतिविधियां बेहद कमजोर रही हैं। बीते 10 दिनों में दो से तीन बार बादल तो छाए लेकिन बारिश नाममात्र ही हुई, सिर्फ कुछ मिनटों की बूंदाबांदी देखने को मिली। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 मई के बाद प्री-मानसून की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। गौरतलब है कि मानसून आमतौर पर 15 जून के बाद सक्रिय होना शुरू होता है। फिलहाल सोमवार को राजस्थान से सटे जिलों में गर्म हवाएं चल सकती हैं। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहेगा।

मलबे का ढेर बन गया नेहरू पार्क, करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार, पीएम मोदी से की शिकायत

इंदौर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और वित्तीय अनियमितताओं पर नगर निगम महापौर परिषद के सदस्य एवं प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए इन कार्यों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। राठौर ने इस सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। राजेंद्र राठौर ने अपने पत्र में नेहरू पार्क से जुड़ी गड़बड़ियों का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उन्होंने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा निर्धारित ग्रीन बेल्ट के नियमों के उल्लंघन, पार्क के मूल स्वरूप को नष्ट करने, निर्माण में घोर लापरवाही बरतने और घटिया सड़कों के निर्माण को लेकर अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि अफसरों ने प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी स्मार्ट सिटी योजना को गंभीरता से नहीं लिया और परियोजना की राशि का दुरुपयोग किया गया। इसकी वजह से शहर के सबसे प्रतिष्ठित नेहरू पार्क के संचालन और संधारण पर सवाल खड़े हो गए हैं।

8 करोड़ की लागत से घटिया निर्माण कार्य- प्रभारी महापौर द्वारा प्रधानमंत्री को भेजी गई चिट्ठी में यह भी लिखा गया है कि उद्यान के निरीक्षण के दौरान

कई प्रकार की खामियां सामने आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों और कंसल्टेंट्स ने मिलीभगत कर 8 करोड़ रुपये का घटिया निर्माण कार्य कराया, जिसे अब नगर निगम के हवाले किया जा रहा है। इसके अलावा, स्मार्ट सिटी की अन्य योजनाओं में भी त्रुटिपूर्ण प्लानिंग और धन के दुरुपयोग की बात कही गई है, जिससे सरकार को आर्थिक नुकसान हुआ है।

एमजी रोड का निर्माण भी सवालों के घेरे में - राठौर ने अपने पत्र में स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत हुए अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने एमजी रोड के निर्माण को इसका एक बड़ा उदाहरण बताया। उन्होंने बताया कि क्लॉथ मार्केट से लेकर राजवाड़ा तक बनी यह सड़क मात्र दो वर्षों में ही उखड़ गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी की गई है। उन्होंने ठेकेदार कंपनियों, कंसल्टेंट्स और अधिकारियों के गठजोड़ की बात कही और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

राठौर ने चिट्ठी में लिखा... अफसरों ने नेहरू पार्क का अस्तित्व ही खत्म कर दिया। 200 डंपर मलबे का ढेर लगा दिया, जीएनटी के आदेश की भी परवाह नहीं की। 10 दुकानें बनाई, आवंटन से पहले ही जर्जर हो गईं। हरियाली नष्ट करते हुए उद्यान क्षेत्र में 50 फीसदी सीमेंटेड निर्माण करवाया गया। इससे ऑक्सीजन में कमी आई। फाउंटेन लगाए थे, यह खराब हो गए हैं। मूर्ति टूट गई है। 10 दुकानें बनाईं। आवंटन से पहले ही जर्जर हो गई। सीमेंट का बड़ा स्ट्रक्चर बना दिया, छोटी-छोटी हट्स बनाई, जिनका कोई उपयोग नहीं है। पार्क के मध्य ओपन थिएटर बनाया, इसकी भी टाइल्स गिरने लगी है। बच्चों का पार्क था, उनके मनोरंजन की कोई व्यवस्था नहीं है। ट्रेन का ट्रैक घटिया बनाया, बैरिकेड्स टूट गए, जिससे दुर्घटना हो सकती है। विद्युत कार्यों की स्थिति दयनीय हो चुकी है। शौचालयों में पानी नहीं है। पूरे बगीचे को मलबे के ढेर में बदल दिया है।

मेट्रो स्टेशन के विरोध में उतरे रहवासी, धरना देकर की नारेबाजी, पूर्व भाजपा विधायक भी विरोध में

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज क्षेत्र में मेट्रो के स्टेशन का विरोध शुरू हो गया है। स्टेशन के लिए क्षेत्र के 40 मकान तोड़े जाना है। इसके अलावा एक उद्यान भी उपयोग में लिया जाएगा। इसे लेकर रहवासी नाराज है। उन्होंने सोमवार को क्षेत्र में धरना दिया और मेट्रो कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की। मेट्रो स्टेशन के विरोध में भाजपा के पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन भी है। उनका कहना है कि मल्हारगंज का छोटा गणपति मंदिर प्राचीन है। उसका कुछ हिस्सा भी स्टेशन की जद में आ रहा है। क्षेत्र के ज्यादातर मकान पुराने है। अंडरग्राउंड मेट्रो से उन्हें नुकसान पहुंचेगा। सुबह रहवासी धरना स्थल पर एकत्र हुए। पहले उन्होंने नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद हाथों में तख्तियां लेकर धरने पर बैठे। तख्तियों पर लिखा था-' छुक-छुक करती आएगी ट्रेन, निजी संपत्तियां उड़ाएगी ट्रेन,मेट्रो के लिए बच्चों का बगीचा मत

उजाड़ो। धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन ने कहा कि इंदौर के पुराने इलाके शहर की पहचान है। यहां अंडरग्राउंड मेट्रो से नुकसान होगा। पहले भी मेट्रो के लिए स्टेशन बदले गए है। राजवाड़ के स्टेशन हटा दिया गया, तो फिर दूसरे प्राचीन मंदिरों को भी नुकसान से बचाना चाहिए। रहवासी शेखर गिरी ने कहा कि मेट्रो को यात्री तो कम मिलेंगे, लेकिन उसके ट्रेक और स्टेशन बनाने के चक्कर में सैकड़ों निजी संपत्तियां टूट जाएगी। बता दे कि इंदौर में नाथ मंदिर से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड मेट्रो बनाई जा रही है। इसके टेंडर जारी हो चुके है, लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। इंदौर में बंगाली कॉलोनी क्षेत्र से मेट्रो को अंडरग्राउंड करने की मांग भी रहवासी उठा रहे है। उनका कहना है कि पलासिया पर मेट्रो ट्रेक बनने के बाद वहां भविष्य में ब्रिज नहीं बन पाएगा।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जेल जाकर मिले नेता प्रतिपक्ष से, बोले- राजनीतिक रंजिश के चलते एफआईआर

इंदौर। इंदौर में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को हत्या के प्रयास की धारा के तरह प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। वे फिलहाल जेल में है। सोमवार सुबह उनसे मिलने सेंट्रल जेल में कांग्रेस के प्रदेश प्रभार हरीश चौधरी और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी मिलने पहुंचे। उन्होंने चौकसे से बात की और कहा कि उनके साथ पूरी कांग्रेस है और गलत एफआईआर के खिलाफ कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। दोनों नेता सुबह साढ़े दस बजे कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव के साथ सेंट्रल जेल पहुंचे। मुलाकात के बाद प्रदेश प्रभारी चौधरी ने कहा कि चौकसे के भतीजे को सिर में गंभीर चोट आई है। वे अस्पताल में भर्ती है। दूसरे पक्ष के खिलाफ पुलिस ने गंभीर धारा में

केस दर्ज नहीं किया है। चौकसे तो मौके पर घटना के समय थे भी नहीं, लेकिन उनके खिलाफ राजनीतिक रंजिश के चलते प्रकरण दर्ज किया है। कांग्रेस इस पक्षपातपूर्ण रवैए का पुरजोर विरोध करती है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष चौकसे नगर निगम के घोटालों को उजागर करते है। इससे सरकार बौखला गई है। इस कारण उनके खिलाफ साजिश रची गई है। एक जनप्रतिनिधि के साथ इस तरह का सलूक करना गलत है। बता दें कि इंदौर में टैंकर हटाने के विवाद में नेता प्रतिपक्ष सहित आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। नेता प्रतिपक्ष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, जबकि घटना में नेता प्रतिपक्ष के बेटे और भतीजे को भी चोट आई है।

कैंसर के लक्षण सुनते ही आगे आईं महिलाएं डॉक्टरों ने जांच के बाद तुरंत भेजा एमवाय

इंदौर। कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए इंदौर की संस्थाओं ने श्रमिक क्षेत्र की बस्तियों में जागरूकता शिविर आयोजित किया। शहर के विशेषज्ञ डाक्टरों ने जैसे ही महिलाओं को इसके लक्षण बताए कई महिलाएं सामने आईं और खुलकर अपनी परेशानी रखी। प्रारंभिक जांच के बाद डाक्टरों ने इन महिलाओं को तुरंत एमवाय अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। यहां पर भी इन महिलाओं को दवा, इलाज आदि संस्थाओं के द्वारा नि:शुल्क करवाया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य था बीमारियों से अनजान महिलाओं को इसकी जानकारी देना ताकि वे समय रहते इलाज करवाएं और स्वस्थ रहें। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाएं शामिल हुई और उन्होंने लक्षणों को पहचानकर इलाज करवाने के लिए कदम आगे बढ़ाया।

कई संस्थाओं ने मिलकर उठाया बीड़ा- बस्तियों में

महिलाओं को जागरूक करने के लिए कई संस्थाओं ने मिलकर कार्यक्रम शुरू किए हैं। बस्ती फाउंडेशन, पंडित जी सेवा न्यास, एमके इंटरनेशनल आई बैंक और गो वाव सोशल सर्विस एप ने इसके तहत बस्तियों में जागरूकता कार्यक्रम करना शुरू किए हैं। रविवार को लसूड़िया में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पहुंची।

नि:शुल्क इलाज की जानकारी साझा की- डॉ रिद्धिमा ओझा ने बताया कि कितनी तेजी से कैंसर फैल रहा है और यदि शुरुआत में ही इसकी पहचान हो जाए तो बहुत आसानी से इलाज हो जाता है। डॉ उमा झंवर ने नेत्रदान से जुड़ी जरूरी जानकारियां दी और पंडित जी सेवा न्यास से रमेश डोसी ने कैंसर में संस्था के द्वारा दी जाने वाली मदद के बारे में बताया। गो वाव सोशल सर्विस एप के मनीष पांडे ने बताया कि किस तरह से हर उम्र और वर्ग के लोग कैंसर का शिकार हो रहे हैं और इसमें जागरूकता कितनी जरूरी है। कार्यक्रम में कई कालेजों के बच्चों ने वालेंटियर्स के रूप में भाग लिया और व्यवस्थाएं संभाली। बच्चों ने कहा कि शिक्षा के साथ समाज में सेवा करने से न सिर्फ खुशी मिलती है बल्कि बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।

इंदौर के एमवाय अस्पताल परिसर के पेड़ पर मरीज ने लगाई फांसी

इंदौर। इंदौर के एमवाय अस्पताल परिसर में एक मरीज ने फांसी लगा ली। वह अपनी बीमारी से परेशान था। लोगों ने जब फांसी पर लटका शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। मरीज की शिनाख्त सोनकच्छ निवासी महेश पिता लक्ष्मण के रुप में हुई है। वह 15 अप्रैल को इलाज के लिए इंदौर आया था और एमवाय अस्पताल में भर्ती था। महेश की मौत की खबर पुलिस ने परिजनों को दी। महेश सुबह साढ़े आठ बजे अस्पताल से नीचे आया और पार्किंग वाले हिस्से में पहुंचा। वहां उनसे पेड़ पर फांसी का फंदा बनाया और उस पर झूल गया। पुलिस ने शव को नीचे उतारा और जेब की तलाशी ली तो उसकी जेब से इलाज की पर्ची निकली। उस पर मृतक के भाई का नंबर लिखा था। पुलिसकर्मियों ने भाई को फोन लगाया और सूचना दी। इसके बाद परिजन इंदौर पहुंचे और शव को सोनकच्छ ले गए। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट तो नहीं मिला, लेकिन परिजनों ने बताया कि वह अक्सर बीमार रहता था और इससे वह परेशान हो चुका था।

सीएम ने 16 लोकसेवको को सम्मानित किया, बोले- विकसित भारत मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण

भोपाल। राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस 2025 के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार कर जनसेवा को नई दिशा देने वाले 16 लोकसेवकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। यह समारोह भोपाल स्थित आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2022-23 और 2023-24 के चयनित अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र और एक-एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। सीएम ने कहा कि विकसित भारत ञ्च2047 की परिकल्पना को साकार करने में मध्यप्रदेश की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने नवाचारों को संकलित करें और सुशासन की दिशा में प्रभावी कार्ययोजनाएं तैयार करें, ताकि सरकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंचें और जनहित में अधिक प्रभावी हों। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक उदाहरणों का हवाला देते हुए चाणक्य और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रशासनिक दूरदृष्टि को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य के माध्यम से एक संगठित शासन की नींव रखी, वहीं सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए लोकसेवकों के लिए गरिमा, ईमानदारी और भ्रष्टाचार से मुक्त कार्यशैली को मूल सिद्धांत बनाया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि सिविल सेवा दिवस आत्ममंथन का अवसर होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश के अधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत ञ्च2047 मिशन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विकसित मध्यप्रदेश की अवधारणा को साकार करने में पूर्ण समर्पण से कार्य कर रहे हैं।

16 लोकसेवकों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर माधव प्रसाद पटेल माध्यमिक शिक्षक, अदिति गर्ग आयुष्मान कार्ड में नवाचार, डॉ. इंदिरा दांगी शिक्षक आष्टा, शारदा डुवडे शिक्षक, आलोक पौराणिक प्राथमिक शिक्षक पथरिया, चंद्रमोहन ठाकुर अधोसंरचना श्रेणी में पुरस्कार, डॉ. यशपाल सिंह प्राचार्य आवासीय विद्यालय, संजय जोशी प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी, अमित तोमर प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर, ऋषभ गुप्ता पूर्व कलेक्टर देवास, गणेश शंकर मिश्रा प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी, दिवांग सिंह ग्रीन ब्रांड इंदौर में उत्कृष्ट कार्य, प्रवीण सिंह अढायच पूर्व कलेक्टर सीहोर, प्रो. बेला सचदेवा, भूपेंद्र कुमार चौधरी माध्यमिक शिक्षक, शीला दाहिमा को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रशासन अकादमी में नरोन्हा व्याख्यान श्रृंखला आयोजित सिविल सेवा दिवस समारोह 2025 के अवसर पर प्रशासन अकादमी में नरोन्हा व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रदेशभर के अधिकारी, कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दीपक बागला ने सभागार में उपस्थित अधिकारियों को विकसित भारत के लिए सुशासन से जुड़े अनुभव साझा किए। प्रशासन अकादमी के संचालक मुजीबुर्रमान ने सभी अथितियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले-

विदेश जाकर देश की छवि खराब न करें राहुल गांधी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर एक बड़ा और तीखा बयान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी का पुराना रिकॉर्ड रहा है कि वह देश से बाहर जाकर भारत की छवि खराब करने वाले बयान देते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल उन्हें सद्बुद्धि दें कि इस बार विदेश जाकर वह देश की इज्जत ना बिगाड़ें। लेकिन यह उनके ऊपर निर्भर करता है। उम्मीद है कि वह इस बार देश की गरिमा बनाए रखेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राहुल गांधी को राजनीति करनी है तो देश के भीतर करें। उन्होंने राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि आप संसद सदस्य हैं, अपनी बात वहां रखिए। विदेशों में देश की छवि को धूमिल करना किसी भी जिम्मेदार नेता को शोभा नहीं देता। दुनिया में कोई भी ऐसा नेता नहीं है जो अपने ही देश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस तरह से बदनाम करता हो। डॉ. यादव ने इस बयान के जरिए कांग्रेस पार्टी के चरित्र पर भी सवाल उठाए और कहा कि यह कांग्रेस की वर्षों पुरानी प्रवृत्ति रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को चाहिए कि वे अपने नेता को कंट्रोल करें। मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राहुल गांधी के संभावित विदेश दौरे को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज है। बीजेपी इसे लेकर लगातार कांग्रेस पर हमलावर है। बता दें राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर है।

महंगे शौक ने बनाया लूटेरा

भोपाल में मोबाइल झपटमार गैंग पकड़ा गया, 8 लाख के फोन बरामद

वारदात की साजिश रचते दो बदमाश गिरफ्तार, दो फरार

भोपाल। भोपाल की गोविंदपुरा पुलिस ने मोबाइल झपटमार गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 कीमती मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत करीब 8 लाख रुपए आंकी गई है। सभी मोबाइल शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चोरी और झपटमारी की वारदातों में लूटे गए थे। पकड़े गए बदमाशों ने खुलासा किया है कि वे महंगे शौक पूरे करने के लिए इस तरह की वारदातों को अंजाम देते थे। गैंग के अन्य दो सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। डीसीपी संजय अग्रवाल ने बताया कि हाल ही में गोविंदपुरा क्षेत्र समेत शहर के अन्य इलाकों में मोबाइल झपटने की घटनाएं बढ़ गई थीं। इस पर पुलिस टीम लगातार सक्रिय थी। मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक बीएचईएल रेलवे पटरी के पास किसी वारदात की योजना बना रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों सोहेल खान (21) पुत्र नसीम खान निवासी दुर्गा नगर, एमपी नगर और नदीम खान (19) पुत्र वाहिद खान निवासी काजीकैंप को मौके से हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ करने पर दोनों ने अब तक 25 मोबाइल फोन झपटने और चोरी करने की बात स्वीकार की। इन वारदातों में उपयोग की गई एक पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि गिरोह में सिराज और आहद खान नामक दो और साथी भी शामिल हैं, जो फिलहाल फरार हैं।

ईरानी डेरे में बिकते थे लूटे गए मोबाइल- आरोपियों ने खुलासा किया कि झपटे गए मोबाइल फोन सिराज के एक परिचित के जरिए 6 नंबर स्टेशन क्षेत्र स्थित ईरानी डेरे के पास रहने वाले एक व्यक्ति को बेचते थे। पुलिस अब उस व्यक्ति की तलाश और आरोपियों द्वारा बताई गई जानकारी की तस्दीक कर रही है।

पिस्टल-कारतूस के साथ बदमाश गिरफ्तार- इसी थाना क्षेत्र में रविवार रात गोविंदपुरा पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवारा मार्केट क्षेत्र से मोहम्मद यूसुफ (20) पिता मोहम्मद साबिर, निवासी चिकलोद रोड, जहांगीराबाद को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

रामचरितमानस में छिपे विज्ञान को अब पढ़ाएगा भोज मुक्त विश्वविद्यालय

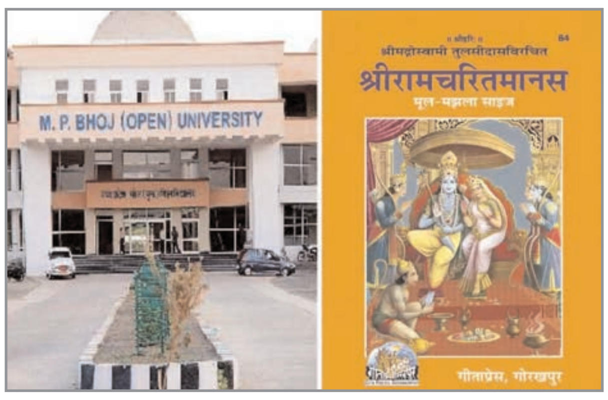

भोपाल। मध्य प्रदेश का भोज मुक्त विश्वविद्यालय रामचरितमानस को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पढ़ाने जा रहा है। इसके लिए स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम डिजाइन हुआ है, जो मानस में आए विज्ञान के सिद्धांतों को समाहित करता है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम के जरिए भारतीय संस्कृति और साहित्य की वैज्ञानिकता को आधुनिक ज्ञान के साथ जोड़ना चाहता है। भोज मुक्त विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार नए पाठ्यक्रम में रामचरितमानस और भौतिक विज्ञान, रामचरितमानस और रसायन विज्ञान, रामचरितमानस और जीव विज्ञान, रामचरितमानस और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषय शामिल किए गए हैं। भोज विश्वविद्यालय ने तीन साल पहले %विज्ञान से सामाजिक उत्थान% नाम से एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया था। इसमें रामचरितमानस की चौपाइयों से पर्यावरण, जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र और भौतिक विज्ञान को समझाने का प्रयास किया गया है। इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में हर साल 50 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। अब स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन किया गया है। विषय विशेषज्ञों का कहना है कि इस पाठ्यक्रम में मानस के अलग-अलग कांड में आए प्रसंगों के दोहों-चौपाइयों को लिया जाएगा। इसके जरिए वर्णन में छिपे विज्ञान के सूत्रों को समझाया जाएगा। उदाहरण के लिए मानस के उत्तरकांड में आई चौपाई %हिमगिरि कोटि अचल रघुवीरा...का भावार्थ है कि श्री रघुवीर यानी भगवान राम करोड़ों हिमालयों के समान अचल या स्थिर हैं और अरबों समुद्रों से भी गहरे हैं.. ।% इस चौपाई में बताई गई भगवान की विशेषताओं के साथ इस पाठ्यक्रम में विद्युत चुंबकीय क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण के परिणामी बल के बारे में बताया जाएगा, जो इस चौपाई का छिपा विज्ञान है। इसी तरह अन्य चौपाइयों के आधार पर ही रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण और भौतिकी को जानने और समझने का मौका विद्यार्थियों को मिलेगा। गणित-रसायन के सूत्रों को आसान करने की कोशिश बताया जा रहा है कि इस पाठ्यक्रम में गणित और रसायन विज्ञान के कठिन सूत्र भी सरलता से समझाया जा सकेगा। रामकथा के विविध प्रसंगों पर आधारित छंदों से प्रभाविता का नियम, मेंडेलिज्म का आर्थिक महत्व जैसे हजारों नियमों और सूत्रों को आसान और लयबद्ध भाषा में समझाया जाएगा। विज्ञानी दृष्टिकोण से समझने का अवसर अभी तक रामचरितमानस का डिप्लोमा पाठ्यक्रम चल रहा था। अब इसे स्नातक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को संस्कृति के महत्व को विज्ञानी दृष्टिकोण से समझने का अवसर मिलेगा।

- सुशील मंडेरिया, कुलसचिव, भोज विश्वविद्यालय, भोपाल

पांच हजार का इनामी बदमाश छुरी के साथ गिरफ्तार

भोपाल। टीला जमालपुरा पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पांच हजार रुपए का इनाम डीसीपी रियाज इकबाल ने घोषित कर रखा था। आरोपी अड़ीबाजी और मारपीट के मामले में फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर राजीवनगर टीला जमालपुरा से उसे रविवार की रात को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक छुरी मिली है। टीआई डीपी सिंह ने बताया कि 2 जनवरी 2025 को कमल पिता रमेश (45) साल निवासी राजीव नगर ने थाना आकर बताया कि सलमान उर्फ पत्ती, आफताब, मुईस द्वारा गाली देकर अड़ीबाजी की गई और मारपीट की गई है। जिसके बाद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। घटना के दो दिन के भीतर आरोपी आफताब और मुईस की गिरफ्तारी कर ली गई थी। जबकि चार महीने से आरोपी सलमान फरार चल रहा था। जिसे मुखबिर की सूचना पर रविवार की रात को गिरफ्तार किया। आरोपी की तलाशी में छुरी बरामद हुई। उसने पूछताछ में बताया कि क्षेत्र में उसकी रंजिश है, सुरक्षा के लिहाज से छुरी रखकर घूमता है।

नानी से नाराज होकर निकले बच्चे देर रात मिले, अपहरण की आशंका थी

भोपाल। राजधानी में खेलते-खेलते लापता हुए दो मासूम बच्चे देर रात आनंद नगर चौकी के पास मिल गए। 7 साल के लड़के और 3 साल की लड़की के लापता होने से हड़कंप मच गया था। परिजन ने काफी देर तक दोनों को ढूंढा, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजन थाने पहुंचे थे। मामला ऐशबाग थाना क्षेत्र में रविवार शाम 4 बजे का है। दोनों बच्चे नानी के साथ बेगमगंज से यहां सगाई कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी खंगाले। पुलिस ने पूरे शहर में नाकाबंदी कर आसपास के जिलों में भी अलर्ट जारी किया था। अपहरण की आशंका जताई जा रही थी। इस बीच देर रात दोनों बच्चे आनंद नगर चौकी के पास लावारिस हालत में मिल गए। दोनों बच्चों को लेकर पुलिस जांच में नई जानकारी सामने आई। रहवासियों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस ने बच्चों को अपनी सुरक्षा में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में बड़े भाई ने बताया कि वे अपनी नानी से नाराज होकर रविवार रात को बेगमगंज की ओर निकल गए थे। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे आनंद नगर तक कैसे पहुंचे। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पुलिस को पता चला है कि दोनों बच्चे बाग़ फरहत अफ़ज़ा से बाग़ उमराव दूल्हा गेट तक अकेले और पैदल चलते हुए देखे गए हैं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को दोनों बच्चों की बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेशी होगी, जहां उनकी काउंसलिंग करवाई जाएगी। इस काउंसलिंग के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चे ऐशबाग से आनंद नगर तक कैसे पहुंचे और उनके साथ रास्ते में कोई घटना तो नहीं हुई।

ऐशबाग, जनता क्वार्टर पंजाबी बाग में आज बिजली कटौती, 30 इलाकों में असर

भोपाल। भोपाल के करीब 30 इलाकों में मंगलवार को 1 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें ऐशबाग, जनता क्वार्टर, पंजाबी बाग, नयापुरा, बिसनखेड़ी, गुरुनानक पुरा, लक्ष्मण नगर समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में लोग जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बिजली नहीं होने की वजह से उन्हें परेशान न होना पड़े। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक विद्या नगर, सुरेंद्र पैलेस, विद्या विहार एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ऋस्टल एमआईजी और एचआईजी क्वार्टर। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक बिसनखेड़ी, आकाश गार्डन, बैरागढ़ मंडी एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक लक्ष्मण नगर, पंजाबी बाग, गुरुनानक पुरा, बाग फरहत अफजा, ऐशबाग, जनता क्वार्टर, ओल्ड डेयरी फार्म, शारदा नगर एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 10.30 से 11.30 बजे तक रीगल टाउन, सौम्या पार्क लैंड, वैष्णव धाम एवं आसपास के इलाके। दोपहर 12 से 2 बजे तक संजीव नगर, पुलिस हाउसिंग सोसायटी, नयापुरा, नेवरी, कम्फर्ट हाइट्स एवं आसपास के इलाके।

अधूरे नल-जल प्रोजेक्ट से नाराज जिपं उपाध्यक्ष ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

भोपाल। भोपाल के आधे से ज्यादा गांवों में नल-जल प्रोजेक्ट अधूरे हैं। इस कारण गांवों की बड़ी आबादी को गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रहा है। इसे लेकर जिला पंचायत की बैठक में मुद्दा भी उठ चुका है, पर पीएचई विभाग के जिम्मेदार नहीं जागे। इस कारण जिपं उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने सोमवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को पत्र लिख दिया। कहा कि जिपं ऑफिस परिसर में ही 24 अप्रैल से भूख हड़ताल पर बैठूंगा। कलेक्टर को पत्र लिखते ही सीईओ ईला तिवारी ने नल-जल योजनाओं के बारे में 3 दिन में रिपोर्ट मांग ली। उन्होंने जनपद पंचायत फंदा एवं बैरसिया अंतर्गत स्वीकृत, हस्तांतरित, ट्रायलरन, प्रगतिरत नल-जल योजनाओं के निरीक्षण, जांच कराने के लिए टीमें बना दी। इस टीम में पीएचई, जनपद के इंजीनियर, सचिव, रोजगार सहायक शामिल किए गए हैं, जो जिला पंचायत के सभी सदस्य को अवगत कराते हुए निरीक्षण/जांच करेंगे। संबंधित टीमें ग्राम पंचायत में मौके पर जाकर नल-जल योजना की वर्तमान स्थिति, योजना प्रारंभ है या योजना बंद पड़ी हुई है? ग्राम पंचायत में वर्तमान में पेयजल की स्थिति आदि की जानकारी, पूर्ण-अपूर्ण, ट्रायल रन, प्रगतिरत नलजल योजनाओं से संबंधित निरीक्षण और जांच प्रतिवेदन 3 दिन में मांग लिया।

उपाध्यक्ष के साथ सदस्य भी भूख हड़ताल करेंगे जिपं उपाध्यक्ष जाट ने कलेक्टर को पत्र लिखा कि 27 मार्च को साधारण सभा की बैठक हुई थी। इसमें जल जीवन मिशन योजना के तहत विभागीय अधिकारियों को 15 दिन में अधूरी नल-जल योजनाओं को पूरा करने को कहा गया था, लेकिन 21 अप्रैल का दिन भी बीत गया। बावजूद अब तक न तो कोई रिपोर्ट दी गई और न ही गांवों में पेयजल संकट खत्म हुआ है। वर्तमान में खजूरी, गुनगा, कनेरा, शाहपुरा, देवपुरा, गोलखेड़ी, कोठार, चंदेरी, दुपड़िया, कालापीपल, बागापुरा, तारा सेवनिया, आचारपुरा, करारिया, सेमरीखुर्द, खितवास, चाचाहेड़ी, गोंदीपुरा, परवलिया, बरेलाखेड़ा, लहारपुरा समेत कई पंचायतों में लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं।

सदस्य बोले- प्रोजेक्ट गांवों में शुरू नहीं और पैसा निकाल लिया- जिपं सदस्य विनय मेहर ने कहा कि अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से सरकार के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। कई पंचायतें ऐसी हैं, जहां अभी भी नल-जल योजनाएं अधूरी हैं, पर पैसा पूरा निकाल लिया गया है। यदि जल स्तर नीचे चला गया है तो तुरंत वहां पर दूसरा ट्यूबवेल खनन करना चाहिए। ताकि ग्रामीणों को पर्याप्त पानी मिल सके। बावजूद ऐसा नहीं हो रहा है। इस कारण भोपाल की करीब 95त्न नल-जल योजना ठप पड़ी है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए।

संपादकीय

विधानसभा विधेयकों पर राज्यपालों की चुप्पी और सुप्रीम कोर्ट की दखल पर बढ़ी राजनीति

तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर मुहर नहीं लगाई थी और उन्हें दबा कर बैठे थे। ऐसा कई राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों में कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड देखा जा सकता है। सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए न केवल उन विधेयकों को कानून बना दिया, बल्कि राज्यपाल के लिए निर्देश भी तय कर दिए। बेशक राष्ट्रपति को न तो निर्देश दिए जाते और न ही 'परमाणु मिसाइल' की स्थिति बनी है। भारत में राष्ट्रपति केंद्रीय कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं।

संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका, लक्ष्मण-रेखाएं और मर्यादाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। सभी अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र हैं। कोई भी अन्य के विशेष क्षेत्र में दखल नहीं दे सकता। संविधान का अनुच्छेद 122 संसद की कार्यवाही की वैधता को प्रक्रियागत अनियमितता के आधार पर चुनौती देने से रोकता है। यह संसद के आंतरिक मामलों को न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित रखता है और इसकी विधायी स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस संवैधानिक व्यवस्था के बावजूद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को यह बयान देना पड़ा कि अनुच्छेद 142 न्यायपालिका के लिए परमाणु मिसाइल बन गया है। यह मिसाइल 24 घंटे न्यायपालिका को हासिल है। उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। उन्होंने कहा है कि सर्वोच्च अदालत देश के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती। कुछ सेवानिवृत्त न्यायमूर्तियों ने स्पष्ट किया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने राष्ट्रपति को कोई भी, किसी भी तरह का, निर्देश नहीं दिया है। यह पीठ का फैसला पढ़ कर समझा जा सकता है। दरअसल चर्चा उस प्रकरण के संदर्भ में शुरू हुई थी, जब तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर मुहर नहीं लगाई थी और उन्हें दबा कर बैठे थे। ऐसा कई राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों में कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड देखा जा सकता है। सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए न केवल उन विधेयकों को कानून बना दिया, बल्कि राज्यपाल के लिए निर्देश भी तय कर दिए। बेशक राष्ट्रपति को न तो निर्देश दिए जाते और न ही 'परमाणु मिसाइल' की स्थिति बनी है। भारत में राष्ट्रपति केंद्रीय कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं। गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गईं कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं। भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल राजनीतिक होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है।

'2.0' से लेकर 'विक्रम वेधा' तक एआई ने बदला फिल्मों का चेहरा

फिल्म निर्माण की प्रक्रिया में समय के साथ बदलाव आता गया। शुरू में यह प्रक्रिया बेहद मुश्किल थी। फिल्म का हर पहलू चुनौती की तरह था। लेकिन, धीरे-धीरे इसमें तकनीकी संसाधनों का उपयोग बढ़ता गया व फिल्म बनाना आसान होने लगा। लेकिन, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने यह प्रक्रिया और आसान बना दी। फिल्म की प्लानिंग से लेकर स्क्रिप्टिंग और शूटिंग की जगह ढूंढना भी मुश्किल नहीं रहा। यहां तक कि संगीत रचना में भी एआई मददगार होने लगी। हॉलीवुड की तरह अब हिंदी फिल्मों में भी एआई तकनीक का असर दिखाई देने लगा।

हेमंत पाल

फिल्म निर्माण बेहद पेचीदा और श्रमसाध्य काम है। वास्तव में तो ये कोई काम नहीं, एक तरह का जुनून है। जिसे इसकी धुन लग जाती है, वह सब कुछ छोड़कर इसमें खो सा जाता है, यह जानते हुए कि फिल्म का भविष्य दर्शकों की पसंद पर टिका होता है। हिंदी फिल्मों के इतिहास में ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, जब फिल्मकारों ने अपनी सारी प्रतिभा किसी एक फिल्म के लिए झोंक दी, फिर भी नतीजा मनमाफिक नहीं रहा। समय बीता और उसके साथ बहुत कुछ बदला। फिल्म निर्माण की तकनीक में भी सुधार आया। पर, ये वो काम है जो तकनीक समृद्धि से ज्यादा बौद्धिक क्षमता पर निर्भर है। ऐसी बौद्धिकता जो दर्शकों को प्रभावित करे और उन्हें ढाई-तीन घंटे तक सीट पर बांधकर रखे। क्योंकि, जरूरी नहीं कि तकनीकी समृद्धि से दर्शक आकर्षित हों। जो फिल्म देखने वाले को प्रभावित करे वही सफल फिल्म मानी जाती है। फिल्म इंडस्ट्री में राज कपूर और सुभाष घई जैसे बड़े शोमैन हुए, पर श्याम बेनेगल और महेश भट्ट को पसंद करने वाले भी कम नहीं हैं। क्योंकि, दर्शकों को बांधकर रखने की दक्षता उनमें भी रही।

इस बात से इंकार नहीं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई ने फिल्म उद्योग को कई तरह से बदल दिया, वहां भी जहां इससे कुछ नया होने की उम्मीद नहीं की जा रही थी। फिल्म निर्माण प्रक्रिया का लगभग हर पहलू इस तकनीक से प्रभावित होने लगा। संपादन और रिकॉर्डिंग सॉफ्टवेयर, फॉर-के और 3-डी मूवी तकनीक, ड्रोन और एआई आधारित पटकथा लेखन टूल से भी फिल्म निर्माण प्रक्रिया पर असर पड़ा। इसके जरिए दृश्य तकनीक और फिल्म देखने के अनुभव, बेहतर ध्वनि प्रभाव, नए स्क्रीनिंग इंटरफ़ेस, आधुनिक संपादन उपकरण पहले कभी न देखे गए अनुभव दर्शाते हैं। साफ़ शब्दों में कहें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बाद फिल्म उद्योग में नए प्रयोगों का द्वार खुल गया। फिल्म निर्माण की दुनिया के लिए यह क्रांतिकारी कदम रहा। एआई में फिल्म निर्माण प्रक्रिया को हर तरह से व्यवस्थित किया, जिससे इस कारोबार को संचालन दक्षता बढ़ाने, श्रम लागत कम करने और अधिक कमाई करने में सक्षम बनाया जा सके। फिल्म निर्माण तकनीक में साल-दर-साल बदलाव आता रहा। तकनीक के साथ फिल्मकारों के अलावा दर्शकों की सोच भी बदली। लेकिन, हाल के बरसों में जो क्रांतिकारी बदलाव देखने में आया, वो है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का फिल्म निर्माण में उपयोग। फिल्म की कहानी के विस्तार से लेकर हर मामले में एआई का दखल बढ़ा है। फिल्मों और एआई का संयोजन एक नए युग की शुरुआत है। अब तो एआई की मदद से हिंदी फिल्में अधिक प्रभावी ढंग से बनाए जाने की कोशिश होने लगी। सबसे ज्यादा काम पटकथा लेखन जैसे मामले में होने लगा, जो कि फिल्म निर्माण की रीढ़ होता है। एआई से पटकथा लेखन को अधिक प्रभावी बनाने के साथ नई कहानियों के प्लाट भी गढ़े जाने लगे। इससे अंदाजा होने लगा कि पटकथा का ये आइडिया दर्शकों की पसंद पर खरा उतरेगा या नहीं! अब तो एआई की मदद से कैरेक्टर डेवलप करना भी आसान होने लगा। वास्तविक और आकर्षक कैरेक्टर को गढ़ने में भी एआई की मदद ली जाने लगी, जो कल्पनाशीलता से परे हैं। बाहुबली, रा-वन और कृष जैसी हिंदी फिल्मों में ऐसे कैरेक्टर्स दिखाई दिए, जिन्हें आसानी से गढ़ना और फिल्मांकन आसान नहीं है। जबकि, हॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कैरेक्टरों की दशकों से भरमार है। एआई का उपयोग किसी फिल्म की स्क्रिप्ट का विश्लेषण करने के लिए भी किया जा सकता है, ताकि अनुमान लगाया जा सके कि फिल्म दर्शकों को पसंद आने के साथ और बॉक्स ऑफिस पर फायदेमंद होगी या नहीं। हालांकि, एल्गोरिदम भविष्यवाणियां सटीक साबित नहीं हो सकती। मसलन, वार्नर ब्रदर्स ने अपनी फिल्मों की सफलता और बॉक्स ऑफिस की भविष्यवाणी करने के लिए सिनेलिटिक एआई-आधारित प्लेटफार्म की तरफ रुख किया है। 20वीं सेंचुरी फॉक्स ने मर्लिन प्रणाली को एकीकृत किया, जो फिल्मों को विशेष शैलियों और दर्शकों से मिलाने के लिए 'एआई' और मशीन लर्निंग का उपयोग करता है। साथ ही फिल्म के लिए आंकड़े उपलब्ध कराता है। स्क्रिप्ट बुक एक अन्य एआई-आधारित प्रणाली है, जो फिल्म को लेकर भविष्यवाणी करती है। प्री-प्रोडक्शन में भी 'एआई' का उपयोग किया जाने लगा है। इसकी मदद से शेड्यूल बनाने, कहानी के लिए उपयुक्त शूटिंग स्थल की खोज भी संभव है। 'एआई' में निर्माण प्रक्रियाओं में सहायता और प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया सरल बनाने की काफी क्षमता है। 'एआई' को लागू करने से अभिनेताओं की उपलब्धता के अनुसार शूटिंग शेड्यूल योजना स्वचालित हो सकेगी। अंग्रेजी के बाद हिंदी फिल्मों में एआई का उपयोग बढ़ता जा रहा है। पिछले डेढ़ दशकों में ऐसी कई फ़िल्में आई जिनमें एआई तकनीक का असर दिखाई दिया व भविष्य में उपयोग और भी अधिक होने की संभावना है। मसलन, रोबोट (2010) फिल्म में एआई का उपयोग रोबोट के चरित्र को बनाने के लिए किया गया। रा.वन (2011) में उपयोग विजुअल इफेक्ट्स और रोबोट के चरित्र को बनाने के लिए हुआ। कृष-3 (2013) में एआई का उपयोग विजुअल इफेक्ट्स और सुपर हीरो के चरित्र को बनाने के लिए किया। बाहुबली (2015) में विजुअल इफेक्ट्स और एनिमेशन के लिए व मिशन मंगल (2019) में एआई का उपयोग विजुअल इफेक्ट्स और स्पेस मिशन दृश्य प्रभावी बनाने के लिए किया गया। विक्रम वेधा (2022) में एआई का उपयोग विजुअल इफेक्ट्स के लिए किया गया था। हिंदी फिल्मों में एआई का सबसे ज्यादा उपयोग 2.0 फ़िल्म (2018) में हुआ। यह फिल्म रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित थी। इसमें एआई का उपयोग विजुअल इफेक्ट्स, रोबोट के चरित्र को बनाने और संगीत व ध्वनि डिजाइन में किया गया। 2.0 फिल्म में निर्देशक एस शंकर ने कई एआई टूल्स और तकनीकों का उपयोग किया। इस फिल्म में फेस रिकग्निशन तकनीक का भी उपयोग किया गया था, जिसमें रोबोट के चरित्र को पहचानने और उसके चेहरे के भाव समझने में मदद मिली वहीं मोशन कैप्चर तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे रोबोट के चरित्र की गतिविधियों को अधिक वास्तविक बनाया जा सके। वहीं संगीत और ध्वनि डिजाइन के लिए एआई का भी उपयोग हुआ, जिससे वे प्रभावी बनें। इन एआई तकनीकों का उपयोग करके 2.0 फिल्म के निर्देशक ने ऐसी फिल्म बनाई, जो दर्शकों को आकर्षित करती है व एआई की क्षमताएं भी प्रदर्शित करती है।

एआई के उपयोग से हिंदी फिल्मों में कई फायदे के साथ चुनौतियां भी हैं। एआई के जरिये फिल्मों में अधिक प्रभावी ढंग से काम किया जा सकता है। लेकिन, इसके साथ रचनात्मकता और गुणवत्ता की कमी का ध्यान रखना आवश्यक है। अभी शुरुआती दौर है। समय के साथ एआई का उपयोग बढ़ेगा और फिल्म निर्माण आसान होता जाएगा। तब पूरी फिल्म एक कमरे में बैठकर बना ली जाए, तो आश्चर्य नहीं! क्योंकि, एआई से वो सब कुछ संभव है, जिसे अभी तक नामुमकिन समझा जा रहा था।

साइबर लव से साइबर मर्डर तक: डिजिटल रिश्तों के खतरे

डॉ. सुधीर कुमार

आज के डिजिटल युग में इंटरनेट ने प्रेम संबंधों को भी ऑनलाइन ला दिया है, जिसे 'साइबर लव' कहा जाता है। दरअसल, आभासी संसार का मायाजाल असीमित संभावनाओं के साथ-साथ गंभीर खतरे भी लेकर आया है। सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और ऑनलाइन चैट के माध्यम से बने रिश्ते, जो कभी प्यार और विश्वास के वादों से भरे होते थे, अब अक्सर धोखाधड़ी, उत्पीड़न और यहां तक कि हत्या के खूनी अंत में बदल रहे हैं।

ऑनलाइन डेटिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुए रिश्ते कई बार खतरनाक मोड़ ले लेते हैं। श्रद्धा वालकर और हिमानी नरवाल जैसे मामलों में, ऑनलाइन शुरू हुए रिश्ते लिव-इन रिलेशनशिप और हत्या में बदल गए। इसी तरह, केरल, चंडीगढ़, मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में 2019 से 2023 के बीच हुई घटनाओं में, महिलाओं को ऑनलाइन मिले व्यक्तियों द्वारा हत्या, धोखाधड़ी, बलात्कार और ब्लैकमेलिंग का शिकार होना पड़ा। ये घटनाएं डिजिटल दुनिया के खतरों को उजागर करती हैं, जहां ऑनलाइन रिश्ते अक्सर गंभीर अपराधों में बदल जाते हैं।

ये घटनाएं सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं हैं, बल्कि ये हमारे समाज के लिए एक चेतावनी हैं। इंटरनेट पर बने रिश्ते अक्सर एक आभासी आवरण में छिपे होते हैं, जहां पहचान और इरादे आसानी से छिपाये जा सकते हैं। यह भेद्यता यानी कमजोरी कुछ लोगों को दूसरों का फायदा उठाने, उन्हें धोखा देने और यहां तक कि हिंसक अपराध करने के लिए प्रेरित करती है। साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न और पहचान की चोरी जैसे अपराधों में भी तेजी से वृद्धि हुई है, जो साइबर लव और साइबर मर्डर के खतरों को दर्शाते हैं।

साइबर लव, ऑनलाइन माध्यमों जैसे सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और ईमेल के जरिए रोमांटिक रिश्ते बनाने की प्रक्रिया है। यह रिश्ते अक्सर शुरुआत में बहुत ही आकर्षक और रोमांचक लगते हैं, क्योंकि लोग अपनी ऑनलाइन पहचान को अपनी इच्छानुसार बना सकते हैं। यह नए रिश्ते बनाने के अवसर तो प्रदान करता है, लेकिन इसके साथ ही कानूनी चुनौतियां भी उत्पन्न हो रही हैं, जैसे कि ऑनलाइन धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, साइबर स्टॉकिंग और अश्लील सामग्री का प्रसार।

साइबर लव सिर्फ ऑनलाइन डेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ऑनलाइन गेमिंग और वर्चुअल रियलिटी प्लेटफॉर्म भी शामिल हो गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके डीपफ़ेक वीडियो और ऑडियो बनाए जा रहे हैं, जिनसे ऑनलाइन रिश्तों में धोखा और भी आसान हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके डीपफ़ेक वीडियो और ऑडियो बनाना बहुत आसान हो गया है। इसका मतलब है कि कोई भी आपकी आवाज या चेहरे का उपयोग करके नकली वीडियो या ऑडियो बना सकता है। कुछ साइबर अपराधी लव बॉम्बिंग नामक तकनीक का उपयोग करते हैं, जिसमें वे आपको बहुत जल्दी प्यार और ध्यान से भर देते हैं। यह आपको कमजोर बना सकता है और आपको उनके नियंत्रण में ला सकता है।

केटफिशिंग, जिसमें ऑनलाइन नकली पहचान बनाकर दूसरों को धोखा दिया जाता है, एक गंभीर समस्या है जो पीड़ितों को भावनात्मक और आर्थिक रूप से तबाह कर सकती है। अपराधी अक्सर मशहूर हस्तियों या आकर्षक लोगों की तस्वीरें इस्तेमाल करते हैं और पीड़ितों का विश्वास जीतकर उनसे पैसे ऐंठते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ साइबर अपराधी ऑनलाइन रिश्तों का उपयोग निजी जानकारी इकट्ठा करने और पीड़ितों को ब्लैकमेल करने के लिए करते हैं।

किसी की निजी जानकारी या तस्वीरों को उसकी अनुमति के बिना ऑनलाइन साझा करना गोपनीयता का उल्लंघन है। जब कोई व्यक्ति ऑनलाइन किसी दूसरे व्यक्ति का पीछा करता है, उसे परेशान करता है, या उसे धमकी देता है, तो यह साइबर स्टॉकिंग या उत्पीड़न माना जाता है। यह ईमेल, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन माध्यमों से किया जा सकता है। साइबर लव के मामलों में, जब रिश्ते खराब हो जाते हैं, तो यह ऑनलाइन उत्पीड़न का कारण बन सकता है। पूर्व साथी सोशल मीडिया पर निजी तस्वीरें या वीडियो साझा कर सकते हैं या पीड़ित को ऑनलाइन परेशान कर सकते हैं। यह पीड़ितों के लिए बहुत डरावना और तनावपूर्ण हो सकता है। साइबर कानून ऐसे व्यवहारों को अपराध मानते हैं और पीड़ित को कानूनी सुरक्षा प्रदान करते हैं।

केटफिशिंग और साइबर अपराधों के ये रूप, जब अनियंत्रित हो जाते हैं, तो साइबर मर्डर की खतरनाक रेखा को पार कर सकते हैं। कल्पना कीजिए, एक पीड़ित, भावनात्मक और आर्थिक रूप से तबाह हो चुका है, जब उसे पता चलता है कि जिस व्यक्ति से उसने प्यार किया, वह एक धोखा था। यह निराशा और गुस्सा किसी को भी हिंसक बना सकता है। इसी तरह, यदि कोई अपराधी किसी की निजी जानकारी या तस्वीरों का उपयोग उसे ब्लैकमेल करने के लिए करता है, तो पीड़ित अपनी प्रतिष्ठा या सुरक्षा के डर से हताश हो सकता है, और हिंसा का सहारा ले सकता है।

साइबर हत्या, एक उभरता हुआ मुद्दा है जो पारंपरिक आपराधिक कानूनों के दायरे में आता है। यह तब होता है जब कोई व्यक्ति इंटरनेट या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके किसी अन्य व्यक्ति की हत्या करता है। साइबर हत्या के विभिन्न रूप हैं, जिनमें ऑनलाइन उत्पीड़न, ऑनलाइन मानहानि, ऑनलाइन धोखाधड़ी और ऑनलाइन गेमिंग शामिल हैं। इन सभी रूपों में, अपराधी पीड़ित को भावनात्मक या मानसिक रूप से इतना कमजोर कर देता है कि वह आत्महत्या करने के लिए प्रेरित हो जाता है। साइबर मर्डर में सिर्फ ऑनलाइन उत्पीड़न ही नहीं, बल्कि इसमें 'डॉक्सिंग' यानी किसी की निजी जानकारी ऑनलाइन साझा करना और 'स्वाटिंग' यानी झूठी पुलिस रिपोर्ट करके किसी के घर पर खतरनाक स्थिति पैदा करना जैसे तरीके भी शामिल हो गए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (आईटी अधिनियम) ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण धाराएं प्रदान करता है। धारा 66 सी के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन किसी और की पहचान चुराता है, तो उसे 3 साल तक की कैद और जुर्माना दोनों हो सकते हैं। इसी तरह, धारा 66 डी के तहत, कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करके धोखाधड़ी करने पर भी 3 साल की कैद और जुर्माना लगाया जा सकता है। ऑनलाइन अश्लील सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण को भी सख्ती से विनियमित किया गया है। धारा 67 के तहत, अश्लील सामग्री प्रकाशित करने पर 3 साल की कैद और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। यौन स्पष्ट कृत्यों वाली सामग्री के लिए, धारा 67 ए के तहत, सजा और भी कड़ी है, जिसमें 5 साल तक की कैद और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना शामिल है। इसके अलावा, धारा 66 ई गोपनीयता के उल्लंघन से संबंधित है। यदि कोई व्यक्ति किसी की निजी जानकारी या तस्वीरों को उसकी अनुमति के बिना ऑनलाइन साझा करता है, तो उसे 3 साल तक की कैद और 2 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। यह अधिनियम ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को साइबर अपराधों से बचाने और डिजिटल दुनिया में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

नयी भारतीय न्याय संहिता 2023 के अनुसार कानून में, ऑनलाइन गतिविधियों से संबंधित विभिन्न धाराएं व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करती हैं। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन किसी का पीछा करता है, तो उसे धारा 354 घ के तहत 3 साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति साइबर लव के कारण किसी की हत्या करता है, तो उसे धारा 101 के तहत मृत्युदंड या आजीवन कारावास और जुर्माना हो सकता है, क्योंकि हत्या एक गंभीर अपराध है। इसके अतिरिक्त, यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन किसी को धमकी देता है, तो उसे धारा 356 के तहत 2 साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है। और यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन किसी की मानहानि करता है, तो उसे धारा 354 के तहत 2 साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है। ये धाराएं ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

साइबर स्पेस में प्रेम संबंधी गतिविधियों से जुड़े कई पहलू साइबर कानूनों के अंतर्गत आते हैं। भारतीय कानून, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता 2023, इन अपराधों को संबोधित करते हैं, लेकिन साइबर लव और साइबर मर्डर को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करते हैं, जिससे पीड़ितों को न्याय पाने में कठिनाई होती है। ऑनलाइन प्रेम संबंधों में गोपनीयता और सहमति के मुद्दों पर स्पष्ट कानूनी दिशानिर्देशों की कमी है, और अपराधियों की पहचान करना भी मुश्किल हो सकता है। इसलिए, साइबर लव के बढ़ते मामलों को देखते हुए, भारत में कानूनों को और अधिक मजबूत और स्पष्ट करने की आवश्यकता है, ताकि ऑनलाइन प्रेम संबंधों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और उन्हें अपराधों से बचाया जा सके।

ग्राम मोंहदी में महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने रुकवाया बाल-विवाह

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा विकासखंड पुष्पराजगढ़ अंतर्गत ग्राम मोंहदी में परिवारजनों को समझाईश देकर बाल-विवाह को रोका गया। ग्राम मोंहदी में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री विनोद परस्ते तथा उनकी टीम द्वारा गांव में उपस्थित होकर वर एवं वधु पक्ष के परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों से अवगत कराते हुए समझाइश दी गई। उ-?होंने परिवारजनों के साथ ही ग्रामीणजनों को भी बाल विवाह के दुष्परिणाम और कम उम्र में बालक-बालिका का विवाह करने पर कानूनी कार्यवाहियों की जानकारी दी, जिससे वर एवं वधु पक्ष के परिजनों ने बालिका की 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात् ही विवाह करने की बात कही।

सहारनपुर ऑब्स एवं गायनी सोसायटी की ओर से लगाया गया मल्हीपुर गांव में एनीमिया जागरुकता शिविर

शिविर में करीब 300 महिलाओं का इलाज किया गया, हीमोग्लोबिन व शुगर की जांच भी की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर ऑब्स एवं गायनी सोसायटी की ओर से मल्हीपुर गांव में एनीमिया पर विशेष जागरुकता शिविर लगाया गया। जिसमें करीब 300 महिलाओं का इलाज किया गया। हीमोग्लोबिन व शुगर जांच की भी गई।सोसायटी अध्यक्ष डॉ. रेनू सिंघल व सचिव डॉ. वंदना पालीवाल ने बताया कि भारत में लगभग 50 फीसदी महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं, जबकि गर्भावस्था के दौरान यह आंकड़ा 80 फीसदी तक पहुंच जाता है। उन्होंने गुड़, चना, पालक, खजूर और मौसमी फलों के सेवन को नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने की सलाह दी, ताकि खून की कमी से होने वाले गंभीर रोगों से बचा जा सके। इस दौरान महिलाओं को आयरन कैल्शियम और प्रोटीन का वितरण किया। इस मौके पर डॉ. अनीता मलिक, डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. ऋतु जैन, डॉ. चित्रा मनचंदा, डॉ. ममता चावला, डॉ. रेनू अग्रवाल, अमित शर्मा आदि मौजूद रहे।

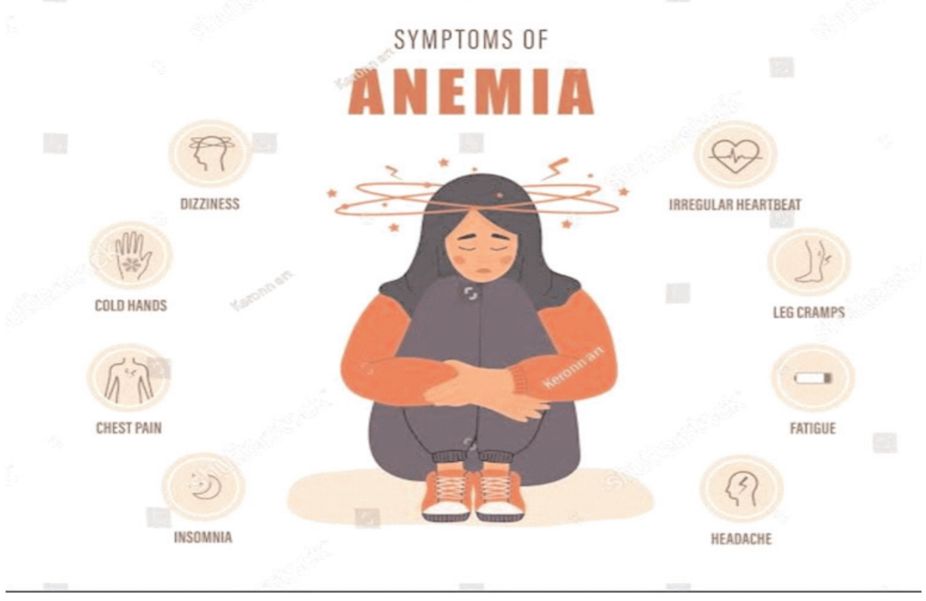

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर दमोह पुलिस की सख्ती

दो वाहन जब्त, 20,000 का जुर्माना

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले में ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो वाहन जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में यातायात थाना प्रभारी दलबीर सिंह मार्को के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत चेकिंग के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए पिकअप वाहन (क्रमांक MP 15 'J 4387) एवं 407 वाहन (क्रमांक HR 39D 2817) को जब्त कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा दोनों वाहन चालकों पर 10,000-10,000 का कुल ?20,000 का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। साथ ही दोनों चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु मामला परिवहन विभाग को भेजा गया है। धर्मपुरा नाका पर भी चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 22 वाहन चालकों से कुल 11,300 का समन शुल्क वसूला गया। दमोह पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं शराब पीकर वाहन न चलाएँ।

बिलासपुर के सोनू सिंह ने सडक से मिला बैग, बैग स्वामी रोहित कौशिक को तलाश कर उन्हें सौंपते हुए ईमानदारी की मिसाल पेश की

बैग में करीब 22 हजार रूपए, आधार कार्ड, अन्य कागजात व कुछ कपड़े थे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, बिलासपुर के सोनू सिंह ने सडक से मिला बैग, बैग स्वामी रोहित कौशिक को तलाश कर उन्हें सौंपते हुए ईमानदारी की मिसाल पेश की है। बता दे कि विगत रात्रि आचार्य रोहित कौशिक सिरसका का बैग सहारनपुर से रुड़की जाते हुए खेड़ा मुगल से आगे बिलासपुर गांव में खुलकर गिर गया था जो बिलासपुर निवासी सोनू सिंह को मिल गया। बैग में करीब 22 हजार रूपए, आधार कार्ड, अन्य कागजात व कुछ कपड़े भी थे। आधार कार्ड के माध्यम से सोनू सिंह ने अपने सिरसका निवासी एक रिश्तेदार करण सिंह को फोन करके रोहित कौशिक की जानकारी ली और बाद में रोहित कौशिक को फोन किया। अगले दिन रोहित कौशिक को उनका बैग सोनू सिंह ने वापस कर दिया और उनका लगभग सभी सामान और पूरे पैसे और जो साथ में सम्मान किया वह शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

रोहित कौशिक ने बैग लौटाने पर सोनू सिंह का आभार जताया। सोनू सिंह से दूसरे लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। सोनू सिंह का कहना था कि आदमी की नेक नियति ठीक रहनी चाहिए उसी से व्यक्ति का विकास होता है।

मुम्बई में जैन मंदिर को असंवैधानिक तरीके से तोड़े जाने के विरोध में देवबंद जैन समाज ने एक ज्ञापन एसडीएम देवबंद को सौंपा

ज्ञापन में अधिकारियों पर कार्यवाही कर मंदिर का पुनर्निर्माण कराए जाने की मांग की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद जैन समाज के लोगों ने मुम्बई में 30 वर्ष पुराने जैन मंदिर को असंवैधानिक तरीके से तोड़े जाने और जैन श्रद्धालुओं से पुलिस व बीएमसी अधिकारियों द्वारा अमानवीय व्यवहार करने पर एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी देवबंद युवराज सिंह को सौंपा। ज्ञातव्य है कि मुंबई महानगरपालिका के एक अधिकारी द्वारा 16 अप्रैल की सुबह विले पार्ले (पूर्व) स्थित जैन मंदिर को बेदर्दी से जेसीबी मशीन से ध्वस्त करा दिया गया जबकि उसी दिन मैटर कोर्ट में सुनवाई हेतु ज्ञापित था। इस ध्वंस में जैनों के पूज्य तीर्थंकरों की मूर्तियों का अपमान किया गया और पवित्र धार्मिक ग्रंथों को सड़कों पर फेंक दिया गया। लगभग 30 सालों से अधिक समय से जैन श्रद्धालु इस मंदिर में शांतिपूर्वक पूजा-अर्चना एवं भक्ति के लिये नित्य आते हैं। उन अहिंसा पालक श्रद्धालुओं के समूह को भी पुलिस बल द्वारा प्रताड़ित किया गया। पुलिस बल की उपस्थिति में 16 अप्रैल की सुबह कुछ ही मिनटों में, हाई कोर्ट के शुरू होने से पहले, मंदिर को तोड़ दिया गया। इसी को लेकर आज देवबंद में श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति के नेतृत्व में जैन समाज द्वारा एक ज्ञापन श्रीमती द्रौपदी मुर्मू (राष्ट्रपति), नरेंद्र मोदी (प्रधानमंत्री), सी.पी. राधाकृष्णन (राज्यपाल महाराष्ट्र), देवेंद्र फडणवीस (मुख्यमंत्री महाराष्ट्र) के नाम एसडीएम देवबंद युवराज सिंह को सौंपा गया। जिसमें अधिकारियों पर कार्यवाही कर मंदिर का पुनर्निर्माण कराए जाने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में समिति के अध्यक्ष मोनी जैन, महामंत्री शुभम जैन, कोषाध्यक्ष मनोज जैन (पिल्लू), अंकित जैन, अमित जैन, विजेंद्र जैन मुकेश जैन, प्रतीक जैन, संयम जैन समेत समस्त जैन समाज उपस्थित रहा।

जबलपुर नाका चौकी प्रभारी आनंद अहिरवार को मिला संविधान गौरव सम्मान

राज्यपाल मंगुभाई पटेल व मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने किया सम्मानित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले के जबलपुर नाका चौकी प्रभारी आनंद अहिरवार को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, साहसिक कार्य और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए संविधान गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान रायसेन जिले के प्रतापगढ़ में आयोजित एक गरिमामय समारोह में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो की उपस्थिति में प्रदान किया गया। चौकी प्रभारी आनंद अहिरवार को यह सम्मान विशेष रूप से गौहत्या जैसे जघन्य अपराध के विरुद्ध साहसिक कार्रवाई और एक आदतन अपराधी से हुई मुठभेड़ में गोली लगने के बावजूद डटकर मुकाबला करने के लिए दिया गया। घायल होने के बाद भी उन्होंने न केवल अपने कर्तव्य को निभाया, बल्कि अपराधी को गिरफ्त में लेने में अहम भूमिका निभाई।उनके इस जज्बे, प्रतिबद्धता और कर्तव्यनिष्ठा को समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सराहा गया है। उनके सम्मानित होने पर दमोह पुलिस विभाग सहित जिले भर के नागरिकों में गर्व की लहर दौड़ गई है। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे अधिकारी हमारे संविधान की मूल भावना - न्याय, सुरक्षा और सेवा - को साकार करते हैं। वहीं आयोग अध्यक्ष प्रियंका कानूनगो ने आनंद अहिरवार के साहस को मानवाधिकारों की रक्षा की दिशा में एक मिसाल बताया। चौकी प्रभारी आनंद अहिरवार ने सम्मान प्राप्ति पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि पूरे दमोह पुलिस परिवार का है। उन्होंने इसे आमजन की सेवा और न्याय की रक्षा के लिए एक नई प्रेरणा बताया। यह सम्मान समारोह संविधान और कानून के रक्षकों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

उत्कृष्ट विद्यालय दमोह में मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस

बृहद सेमिनार का आयोजन, कैडेट्स ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, 11 एमपी बटालियन एनसीसी के कर्नल अरुण बल्हरा के निर्देशानुसार 22 अप्रैल की पूर्व संध्या पर उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के सभागृह में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन भव्य रूप में किया गया। इस अवसर पर एक बृहद सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता के विषय पर सार्थक संवाद हुआ।सेमिनार की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य आर.पी. पटेल द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना से की गई। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने छात्रों को पृथ्वी की महत्ता और पर्यावरण संतुलन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एनसीसी अधिकारी राकेश सिंह राजपूत एवं शरद मिश्रा ने भी विद्यार्थियों को विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। शपथ में कैडेट्स ने संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, प्राकृतिक स्रोतों को संरक्षित करेंगे और अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे। कार्यक्रम में एनसीसी ट्रूप नंबर 411 एवं 412 के कैडेट्स ने अपने विचार रखे और पृथ्वी को बचाने के लिए अपने व्यक्तिगत योगदान का संकल्प लिया। विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं एनसीसी अधिकारीगण ने इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई। उल्लेखनीय है कि विश्व पृथ्वी दिवस प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी और पर्यावरण के संरक्षण हेतु वैश्विक जागरूकता फैलाना है। इस वर्ष की थीम हमारी शक्ति, हमारा ग्रह रखी गई है, जो नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग पर विशेष बल देती है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने आसपास के नागरिकों को भी पर्यावरण जागरूकता के प्रति प्रेरित करेंगे, ताकि हर स्तर पर पर्यावरण रक्षा का संदेश प्रसारित हो सके।

अजाक्स संघ द्वारा पदोन्नति, बैकलॉग भर्ती व कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

दमोह में एक दिवसीय धरना, रैली व सभा आयोजित, समस्याओं के निराकरण की मांग

धीरज कुमार, अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मध्यप्रदेश अजाक्स संघ के प्रांतीय आह्वान पर 20 अप्रैल 2025 को दमोह में एक दिवसीय धरना, रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष, रामकुमार स्कूल के पास स्थित डॉ. अम्बेडकर चौक पर किया गया, जिसमें जिले भर के विभिन्न विभागों से जुड़े कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात अजाक्स जिला अध्यक्ष डॉ. मोहन सिंह आदर्श ने मंच से संबोधित करते हुए बताया कि कर्मचारियों की 29 ज्वलंत मांगों को लेकर लंबे समय से शासन-प्रशासन से संवाद किया जा रहा है, किन्तु समस्याओं का समाधान न होने के कारण कर्मचारियों में आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी राज्य शासन की होगी।

धरने के उपरांत कर्मचारियों की रैली रामकुमार स्कूल से प्रारंभ होकर अम्बेडकर चौक व घंटाघर होते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पर पहुंची, जहां मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा गया।

इस अवसर पर जिला संरक्षक प्रताप रोहित ने अपने 23 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार दृढ़ इच्छाशक्ति और एकता के बल पर कर्मचारियों को उनके अधिकार दिलवाए जा सकते हैं।

कार्यक्रम में तहसील एवं ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा भी वक्तव्य दिए गए। प्रमुख रूप से उपस्थित वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों में बी.एल. रोहित, मुरारी लाल अहिरवार (कार्यवाहक अध्यक्ष), मुन्नीलाल अहिरवार, कंछेदी लाल अहिरवार (पूर्व अध्यक्ष), संभागीय प्रतिनिधि मुकेश अहिरवार, जिला अजाक्स से काशीराम अहिरवार, एम.आर. प्रभाकर, मनसुखलाल अहिरवार, सी.पी. अहिरवार, प्रेमलाल अहिरवार, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शशि चौधरी, सुमन, कंचन, जिला कोषाध्यक्ष तुलाराम अहिरवार, प्रवक्ता डी.सी. बैन, तहसील अध्यक्ष हटा बालाराम अहिरवार, ब्लॉक अध्यक्ष तेंदूखेड़ा डॉ. राजेश अहिरवार सहित सैकड़ों की संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संचालन तुलाराम अहिरवार एवं डॉ. सुभाष अहिरवार द्वारा किया गया जबकि कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष डॉ. मोहन सिंह आदर्श ने सभी का आभार प्रकट करते हुए समापन की घोषणा की। इस आयोजन के माध्यम से दमोह जिले के कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को दोहराया और स्पष्ट संदेश दिया कि अधिकारों के लिए वे किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार हैं।

विज्ञान मंथन यात्रा पर जाने के लिए विद्यार्थियों को दी मंगलमय, हर्दिक, शुभकामनाएं

कसरावद की महर्षि वेद पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल के होनहार विद्यार्थीयो कु, अमूल्या बृजेश व्यास,कु, नम्रता हिंगोले, मानस गोखले, रिया बावरे ने मध्य प्रदेश सरकार की सात दिवसीय प्रतिष्ठित विज्ञान मंथन यात्रा में भोपाल से नई दिल्ली, चेन्नई, चंडी गढ़, अहमदाबाद के लिए प्रस्थान किया । मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग प्रतिवर्ष प्रतिभा शाली विद्यार्थियों का चयन कर विज्ञान से संबंधित केंद्रों का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करता है । इस वर्ष पूरे प्रदेश से 325 छात्र छात्राओं का चयन किया गया था उसमें महर्षि वेद व्यास पब्लिक स्कूल के कक्षा 12 वी चार विद्यार्थियों का चयन हुआ। ये विद्यार्थी विज्ञान की नवीतम प्रौद्योगिकी एवं आधुनिक प्रयोगों को देख सकेंगे तथा वैज्ञानिकों से संवाद कर अपनी विज्ञान संबंधी जिज्ञासाओ को पूरा कर सकेंगे। सभी होनहार विद्यार्थीयों को संस्था के डायरेक्टर्स राजेश व्यास, निलेश व्यास तथा ब्रजेश व्यास एवं शिक्षकों/ परिवारजनों ने हार्दिक बधाई दी एवं मंगलमय यात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। विज्ञान शिक्षक रविगुर्जर के सार्थक प्रयास एवं बच्चों की प्रतिभा ने संस्था को गौरान्वित किया है ।

भीमराव अंबेडकर जी के व्यतित्व पर संगोष्ठी को सांसद सोलंकी व डॉ खरे 22 अप्रैल को संबोधित करेंगे

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती के उपलक्ष्य में अंबेडकर जी के व्यतित्व, कृतित्व और राष्ट्रनिर्माण में उनके अमूल्य योगदान को लेकर जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन 22 अप्रैल को धार के इंदौर नाका स्थित ऑडिटोरियम में किया जांएगे। जिसमें देवास - शाजापुर लोकसभा सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी एवं पूर्व युवा आयोग अध्यक्ष डॉ निशान खरे संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। इस दौरान भाजपा संगठन संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती क्षेत्रीय सांसद विधायक, भाजपा वरिष्ठ नेता संगोष्ठी टोली सदस्य महेंद्र सिंह चाचू बना अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा गिरधारी जायसवाल अखिलेश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।संगोष्ठी की तैयारी को लेकर सोमवार को भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने जिला टोली सदस्य के साथ कार्यक्रम स्थल इंदौर नाका स्थित ऑडिटोरियम पहुंच कर व्यवस्थाओं को देखा। भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती ने बताया कि संविधान रचयिता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की स्मृति में संगोष्ठी आयोजित की जा रही है जिसमें विशेष कर अनुसूचित जाति वर्ग के विशिष्ट जन उपस्थित रहेंगे । तथा उनका सम्मान भी किया जांएगा। संगोष्ठी में डॉक्टर वकील व्यापारी भूतपूर्व सैनिक सामजिक संगठन का प्रतिनिधित्व करने वाले सेवा निवृतमान शासकीय कर्मचारी सहित अनेक श्रेणियां बनाई गई है।इस दौरान अनुसुचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय, मंडल अध्यक्ष विशाल निगम भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा युवा मोर्चा जिला महामंत्री अंकित भावसार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने खण्डवा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता को किया पुरस्कृत

खंडवा स्मार्ट टीवी. के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में किया था नवाचार राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में आयोजित सम्मान समारोह में 16 लोक सेवकों को नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए। इसी क्रम में खंडवा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता को पूर्व में देवास जिले में स्मार्ट टीवी से शिक्षा प्रदान करने जैसे उल्लेखनीय कार्य के लिए 1 लाख रुपये की राशि का चेक एवं प्रशस्ति पत्र से मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया।

कलश यात्रा का किया गया स्वागत

उज्जैन

नया गुजराती लौहार समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के अवसर पर निकाली गई भव्य कलशयात्रा चल समारोह का स्वागत चबुतरा चौराहा पर भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल द्वारा मण्डल अध्यक्ष श्रीमती मनीषा अखिलेश शर्मा के नेतृत्व में किया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ नेता सुरेश छाजेड़, सौरभ जैन, सुमित गेलडा, इंकिसार अली, बाबूलाल राठौर, राजु मकवाना, मुकेश गोयल, गौरव शर्मा, कृतिक गांग, सुनिल माहेश्वरी, अंकित सोलंकी, राजा चावला, शांतिलाल अटोलिया, सुनिल सोलंकी, राहुल माली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन

विदिशा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय एवं प्रत्येक विकासखंड स्तर पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बालक बालिका दोनों वर्गों के लिए किया जाना है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों के संबंध में आज सोमवार को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चौबे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया है कि जिले में 1 मई से 31 मई 2025 तक जिला मुख्यालय एवं समस्त विकास खंडों में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें जिला मुख्यालय पर एथलेटिक स्टेडियम श्री लक्ष्मी नारायण कुशवाह, कुश्ती स्टेडियम श्री सुरेंद्र यादव, फुटबॉल स्टेडियम श्री रविकांत नामदेव, बॉस्केटबॉल स्टेडियम श्री संजय ठाकुर, कराते स्टेडियम श्री भूपेंद्र शर्मा, ताइक्कांडो स्टेडियम श्री विकास थापा, वॉलीबॉल स्टेडियम कुमारी आकांक्षा शर्मा, कबड्डी स्टेडियम श्रीमती ज्योति ठाकुर, हैंडबॉल स्टेडियम श्रीमती प्रिया बमुरिया, हॉकी पुलिस लाइन श्री सतीश रैकवार, मलखंब पौवा नाल श्री पराग अग्रवाल, बैडमिंटन इनडोर हाल स्टेडियम लॉन टेनिस स्टेडियम एवं प्रत्येक विकासखंड में दो-दो खेलो सिरोंज हॉकी फुटबॉल, कुरवाई कबड्डी खो-खो, शमशाबाद एथलेटिक्स कुश्ती, लटेरी एथलेटिक्स वॉलीबॉल, गंजबासौदा कबड्डी ताइक्कांडो बैडमिंटन, ग्यारसपुर कबड्डी एथलेटिक्स के शिविर प्रात: काल एवं सायं काल में आयोजित होंगे, जिसमें खिलाड़ियों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। खेलों के चयन स्थान एवं इसके संबंध में रूपरेखा बनाने के लिए उपस्थित खेल संघो के पदाधिकारी वरिष्ठ खिलाड़ियों से चर्चा कर निर्णय लिए गए। जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप सिंह रावत ने बताया कि इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री आरके ठाकुर, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री संतोष चतुर्वेदी, व्यायाम शिक्षक श्री प्रशांत रघुवंशी, अंबेश सोनी, श्री भूपेंद्र शर्मा, खेल विभाग के श्रीमती ज्योति ठाकुर, समन्वयक हनीफ खान, गोपाल कुशवाहा, ज्योति अहिरवार, केशव शर्मा, अरविंद सिंह राजपूत, नूरजहां बानो, सपना शर्मा विभिन्न खेल संघ के पदाधिकारी श्री दिलीप सिंह थापा, ताइक्कांडो आशीष मोदी, बास्केटबॉल श्री चंद्र बहादुर थापा, फुटबॉल श्री अभिषेक गौतम, श्री पराग अग्रवाल, मलखंब प्रिया बमुरिया, अमित माझी हैंडबॉल लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, एथलेटिक्स श्री सतीश रैकवार, हॉकी सूबेदार मेघा शर्मा, सरदार कुशवाहा, नीरज कुशवाहा, हेमंत विश्वकर्मा, ध्रुव लोधी, शैलेंद्र कुशवाहा, नैंसी जैन, पूनम भोई, गौतम गायत्री, अमित शर्मा, कृष्ण कुमार, मयूर भार्गव आदि उपस्थित रहे। जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप सिंह रावत ने 1 मई 2025 से प्रारंभ होने वाले इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में अधिक से अधिक खिलाड़ियों से सम्मिलित होने की अपील की है।

किसानों को समय पर गेहूं का भुगतान किया जाना सुनिश्चित करें - कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर

समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये

रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर की जा रही गेहूं की खरीदी के उपरांत खरीदी ऐजेंसी किसानों को समय पर भुगतान किया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही उपार्जन के लिए बनाए गए खरीदी केन्द्रों पर नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी बारदानों की सप्लाई में निरंतरता रखें। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी को दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने निर्देश दिये कि जिले में उपार्जन केन्द्र पर गेहूं की खरीदी बड़ी मात्रा में हो रही है। नागरिक आपूर्ति निगम खरीदी केन्द्रों पर बारदानों की आपूर्ति बनाए रखें। कलेक्टर ने खरीदी करने वाली ऐजेंसियों को निर्देश दिये कि खरीदी का डाटा तत्काल ऑनलाइन करें। किसानों को समय पर भुगतान हो। परिवहन करने में विलम्ब करने वाले परिवहनकर्ता पर फाईन करें। राजस्व अधिकारी खरीदी केन्द्रों पर सतत निगाह रखें और सक्रियता के साथ खरीदी केन्द्रों से जुड़ें। बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण के पुराने कार्य को पूरा करने, सभी कुओं की रिचार्जिंग कराने, फार्म पोण्ड निर्मित करने, अमृत सरोवरों के निर्माण की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपलान अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरे कराएं। सभी शासकीय भवनों पर अनिवार्य रूप से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने के लिए कलेक्टर ने कहा। साथ ही कलेक्टर ने निजी मकानों पर भी रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने के लिए मकान मालिकों को प्रेरित करने के निर्देश दिये। समग्र पोर्टल पर ईकेवायसी कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने ई-गवर्नेंस प्रबंधक को निर्देश दिये कि वे प्रगति की पंचायतवार रिपोर्ट जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दें। कलेक्टर ने ईकेवायसी का कार्य घर-घर जाकर पूरा कराने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद कराने के निर्देश दिये। जिल शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक को कलेक्टर ने निजी क्षेत्र के विद्यालयों से मापदण्डों का पालन कराने के लिए कहा। जिला चिकित्सालय सहित अन्य विभागों में कार्यरत आउटसोर्स के कर्मचारियों को एजेंसी द्वारा नियमित रूप से वेतन का भुगतान किया जा रहा है या नहीं इसकी जाँच विभागीय अधिकारी करें। आउटसोर्स ऐजेंसी को भुगतान तब ही दें, जब कर्मचारियों द्वारा पे-स्लिप दिखाई जाये। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने रेफरल प्रकरण, आयुष्मान कार्ड बनाने सहित स्वास्थ्य सुविधाओं के अन्य मुद्दों पर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के आयुष्मान कार्ड बनने से शेष बचे बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड अभियान चलाकर बनाने के लिए कहा। इस मौके पर लंबित पेंशन प्रकरणों एवं सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के स्वत्वों के भुगतान की भी समीक्षा कलेक्टर ने की। इस मौके पर कलेक्टर ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर दुर्घटनाएं कम करने के उपायों का पालन करने के निर्देश ऐजेंसियों को दिये। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास शहरी एवं ग्रामीण के नवीन निर्माण एवं पुराने आवासों को पूरा करने के कार्यों, खेत तालाब, निजि खेतों में फलोद्यान, तालाब निर्माण, परकोलेशन टेंक निर्माण, गौशाला एवं चारागाह विकास के कार्यों की भी समीक्षा की। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा में जल निगम एवं जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में पाईपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई कार्यों के रिस्टोरेशन की समीक्षा भी की। जल जीवन मिशन के तहत निर्मित जल प्रदाय योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को दिये। इस मौके पर सीएम राइज विद्यालय के भवन निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने तथा जिला सहकारी बैंक के सीईओ को वसूली का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये।

सिविल सेवा दिवस मनाया गया

इन्दौर राज्य शासन के निर्देशानुसार आज सइंदौर में सिविल सेवा दिवस गरिमामय रूप से मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को सिविल सेवा दिवस का महत्व बताते हुए जन सेवा के प्रति अपनी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने, सभी कार्यालयों को ई-ऑफिस के रूप में विकसित करने और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने पर बल दिया। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया, जिसमें सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहभागिता की।

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक आयोजित

गुना

लंबित पत्रों की विभागवार समीक्षा कर दिये आवश्यक निर्देश

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में आज जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में समय सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे, संयुक्त कलेक्टर डॉ. संजीव खेमरिया, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती जिया फातिमा एवं सुश्री मंजुषा खत्री सहित विभिन्न जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक के आरंभ में कलेक्टर द्वारा आधार अपडेट से संबंधित सूची बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को दी। इन सूचियों को विद्यालयों, अस्पतालों, पंचायत भवनों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे नागरिकों को आधार अपडेट से संबंधित जानकारी सहजता से उपलब्ध हो सके।

जल समस्या के समाधान हेतु निर्देश कलेक्टर ने पीएचई विभाग को निर्देशित किया कि जिले में जहां-जहां नलकूप खराब हैं, उनकी मरम्मत प्राथमिकता से की जाए। क्षेत्र में मानव एवं पशुओं के लिए सार्वजनिक प्याऊ उनकी स्थिति आदि की समीक्षा की गई।

वॉटर हार्वेस्टिंग में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग में उर्त्कष्ट कार्य के लिए अनुसुचित जाति एवं जनजाति कार्य विभाग को नीर निकेतन प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बचों की प्रतिभाओं को मिलेगा मंच बैठक में कलेक्टर द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बचों की प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए थे। जिसके तहत गायक, नर्तक, चित्रकार आदि बचों को पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक मंच प्रदान किया जाएगा। इस कार्य में शिक्षा विभाग एवं खेल विभाग संयुक्त रूप से प्रयास करेंगे। कलेक्टर श्री कन्याल ने इस संबंध में आवश्यक तैयारियों के निर्देश दिये। नरवाई में आग लगाये जाने की घटनाओं के संबंध में कलेक्टर श्री कन्याल ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि नरवाई जलाने पर यदि कोई किसान नरवाई जलाते हुए पाया जाता है, तो उस पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जाए और संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने अभी तक की गई जुमाने की कार्यवाही के संबंध में वसूली के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि नरवाई नही जलाने के संबंध में पर्याप्त प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करें। बैठक में ई-ऑफिस के संबंध में कलेक्टर श्री कन्याल ने निर्देशित किया कि सभी विभाग प्रमुख अपनी फाईलें ई-ऑफिस के माध्यम से भेजना सुनिश्चित करें। इस कार्य में अपने अधीनस्थ अमले को दक्ष बनाएं। 30 अप्रैल 2025 के बाद कोई भी फाइल ऑफलाइन नही ली जायेगी। अभी तक 14 विभागों द्वारा ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य करना आरंभ कर दिया गया है। आज आयोजित बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा समय सीमा से संबंधित पत्रों की बिंदुवार समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

मंदिर जाने पर ट्रोल्स को नुसरत का जवाब

'मुझे फर्क नहीं पड़ता मैं नमाज भी पढ़ती हूं'

अभिनेत्री नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'छोरी 2' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म को लोगों की और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। हाल ही में नुसरत ने अपने कपड़ों के चुनाव और मंदिर जाने पर होने वाली आलोचनाओं और ट्रोलिंग पर बात की। उन्होंने बताया कि उनके लिए धर्म के मायने क्या हैं और वो क्यों मंदिर और पूजा स्थलों पर जाना पसंद करती हैं। मेरी आस्था वास्तविक है शुभांकर मिश्रा के साथ पॉडकास्ट में बात करते हुए अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने कहा, धर्म से मेरा जुड़ाव मेरे लिए बहुत ही व्यक्तिगत और सार्थक है। मेरे लिए, मेरी आस्था वास्तविक है। अवास्तविक चीजें होती हैं और यही मेरी आस्था को मजबूत करती हैं। इसलिए मैं अभी भी जुड़ी हुई हूं, अभी भी मजबूत हूं और मुझे पता है कि मुझे इसी रास्ते पर चलना है। मेरा परिवार दूसरों पर अपनी मान्यताओं को थोपे बिना, व्यक्तिगत रूप से आस्था का पालन करने की स्वतंत्रता का समर्थन करता है।

मैं नमाज पढ़ती हूं अभिनेत्री ने आगे अपने मंदिर जाने पर बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि जहां भी आपको शांति मिले, चाहे वह मंदिर हो, गुरुद्वारा हो या चर्च हो, आपको वहां जाना चाहिए। मैं यह भी खुले तौर पर कहती हूं कि मैं नमाज पढ़ती हूं। अगर मुझे समय मिलता है, तो मैं दिन में पांच बार प्रार्थना करती हूं। मैं यात्रा करते समय अपनी प्रार्थना की चटाई भी साथ ले जाती हूं। कपड़ों और आस्था को लेकर हुई आलोचना आस्था के प्रति अपने दृष्टिकोण के बावजूद नुसरत ने खुलासा किया कि उन्हें अक्सर कड़ी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है। खासकर जब बात उनके कपड़ों और उनके जाने के स्थान की आती है। उन्होंने कहा, चाहे वह मेरे कपड़ों के बारे में हो या मैं कहां जाती हूं, मुझे टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। जब मैं अपनी फोटो पोस्ट करती हूं, तो लोग पूछते हैं कि वह किस तरह की मुस्लिम है? उसके कपड़े देखो। हालांकि, मुझे इन आलोचनाओं से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। यह मुझे नहीं बदलता। यह मुझे मंदिर जाने या नमाज पढ़ने से नहीं रोकेगा। मैं दोनों काम करती रहूंगी। क्योंकि यही मेरा विश्वास है मैं इनका मजबूती से जवाब देती हूं। क्योंकि मेरी पसंद और मेरी शैली मेरी व्यक्तिगत चीज है।

शुभांगी अत्रे के पूर्व पति पीयूष पूरे का निधन, अभिनेत्री ने जताया शोक

भाबी जी घर पर हैं की अभिनेत्री शुभांगी अत्रे के पूर्व पति पीयूष पूरे का शनिवार,19 अप्रैल 2025 को निधन हो गया। 22 साल तक शादीशुदा जीवन बिताने के बाद दोनों अलग हो गए थे। पीयूष कथित तौर पर लिवर सिरोसिस के कारण दम तोड़ चुके हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ह कुछ समय से बीमार थे। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, शुभांगी पीयूष के निधन की खबर से सदमे में हैं और हालांकि उन्होंने अपने शो की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है, लेकिन वह अपनी बेटी के पिता को खोने का शोक मना रही हैं और उन्होंने समय और स्थान मांगा है। उन्होंने कथित तौर पर कहा, इस समय आपकी विचार मेरे लिए बहुत मायने रखती है। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि मुझे इस बारे में बात करने के लिए कुछ समय दें। अभिनेत्री ने रविवार को भाबी जी घर पर हैं की शूटिंग फिर से शुरू की। शुभांगी और पीयूष ने 2003 में पारंपरिक समारोह में शादी की थी और उनकी एक बेटी भी है, जिसका नाम आशी है। लेकिन मार्च 2025 में शुभांगी के प्रशंसकों को उस समय झटका लगा, जब अभिनेत्री ने खुलासा किया कि पीयूष और उनके बीच शादी के 22 साल बाद तलाक हो गया है और फरवरी 2025 में उन्हें आधिकारिक रूप से तलाक दे दिया जाएगा। बाद में तलाक के पीछे की वजह बताते हुए शुभांगी ने बॉम्बे टाइम्स से कहा, यह दर्दनाक था। मैं इस रिश्ते में पूरी तरह से डूबी हुई थी। समय के साथ पीयूष और मेरे बीच मतभेद पैदा हो गए। हालांकि, अब जब मैं उस शादी से बाहर आ गई हूं तो मुझे शांति का एहसास हो रहा है, जैसे कि एक भारी बोझ उतर गई हूं। मैं अपनी बेटी पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं और उसे एक खुशहाल और सुरक्षित माहौल देना चाहती हूं।

मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म 'सैयारा'

इस दिन होगी रिलीज, चंकी पांडे के भतीजे निभाएंगे मुख्य भूमिका

यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी एक रोमांटिक फिल्म लेकर दर्शकों के बीच हाजिर होने वाले हैं। इस फिल्म का नाम 'सैयारा' होगा। मंगलवार को निर्माताओं ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए आधिकारिक घोषणा की। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'उनकी प्रेम कहानी अद्वितीय हैज।' साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया। इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अहान पांडे मोहित सूरी की इस रोमांटिक ड्रामा से डेब्यू करने जा रहे हैं। अहान चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे हैं। इससे पहले वह कई शॉर्ट फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। वहीं अनीत पड्डा वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में नजर आ चुकी हैं। वह 2022 की फिल्म 'सलाम वेंकी' में भी नजर आ चुकी हैं। अब यशराज के बैनर तले बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू करने जा रही हैं। मोहित सूरी की इस रोमांटिक ड्रामा की काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी बहुत कम अपडेट सामने आई थी। अब निर्माताओं ने मुख्य अभिनेताओं के साथ इसके रिलीज की घोषणा भी कर दी है। फैंस को इसके लिए ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिल्म 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मोहित सूरी ने जहर, कलयुग, आवारापन जैसी सस्पेंस थ्रिलर फिल्में दी हैं। वह आशिकी 2, हमारी अधूरी कहानी और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी रोमांटिक फिल्मों के लिए भी जाने जाते हैं। आखिरी बार उन्होंने 'एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन किया था। अब वह एक और रोमांटिक लव स्टोरी 'सैयारा' लेकर आ रहे हैं।

गुरुदत्त की खोज थी ये अभिनेत्री, बॉलीवुड ही नहीं भोजपुरी में भी दिखाया अभिनय का जादू

अभिनेत्री का जन्म जैबुन्निसा के रूप में हुआ था, लेकिन वो कुमकुम नाम से सिनेमाई पर्दे पर मशहूर हुईं। 100 से अधिक फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री ने 'मदर इंडिया' और 'कोहिनूर' जैसी फिल्मों से काफी प्रसिद्धि पाई। हिंदी फिल्मों के अलावा कुमकुम ने भोजपुरी इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का जादू बिखेरा था। फिल्मी दुनिया में अभिनेत्री के लिए गुरुदत्त किसी भगवान से कम नहीं थे। आइए जानते हैं आज एक्ट्रेस के जन्मदिन के अवसर पर उनके जीवन और करियर से जुड़ी खास बातें। अभिनेत्री कुमुकम का जन्म 22 अप्रैल 1934 को बिहार के शेखपुरा जिला के हुसैनाबाद में जैबुन्निसा खान के रूप में हुआ था। अभिनेत्री हुसैनाबाद के एक जमींदरा नवाब मंजूर हसन खान की बेटी थीं। उनकी बहन राधिका भी एक अभिनेत्री थी, जो 'रात के राही' और 'काला समुंदर' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर थीं। बात करें कुमकुम की तो उन्हें बचपन से ही संगीत, नृत्य और अभिनय का शौक था। अभिनेत्री ने सज्जाद अकबर खान से शादी की थी, जो सऊदी अरब में काम करते थे। कुमकुम ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1954 में 'आर-पार' फिल्म से किया था। इसके पीछे की कहानी ये है कि दिग्गज अभिनेता और निर्देशक गुरुदत्त उस समय अपनी फिल्म 'आर-पार' का एक गाना 'कभी आर कभी पार लागा तीरे नजर' के लिए कास्टिंग की खोज में थे। उन्होंने पहले अपने दोस्त जगदीप पर इसे फिल्माने का सोचा, लेकिन बाद में उन्होंने किसी महिला को कास्ट करने का मन बनाया। इस कारण से गुरुदत्त ने कुमकुम को पहली बार एक डांसर के तौर पर फिल्मों में मौका दिया था, इस गाने ने सभी का दिल जीत लिया था। इसके बाद अभिनेत्री गुरुदत्त की 'प्यासा' और 'मिस्टर एंड मिसेज 55' में नजर आईं थीं। अभिनय की दुनिया में कदम रखने के बाद कुमकुम ने एक से बढ़कर एक फिल्में दीं। अपने करियर में अभिनेत्री ने 100 से अधिक हिंदी फिल्मों में काम किया था।

आईएसएसएफ विश्व कप में सिमरनप्रीत कौर ने जीता रजत पदक

लीमा। सिमरनप्रीत कौर बरार ने सोमवार को इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप के अंतिम दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला पेरू की राजधानी लीमा के लास पाल्मस शूटिंग रेंज में हुआ। भारतीय निशानेबाज़ सिमरनप्रीत ने फाइनल के 10 रैपिड-फायर शॉट्स की श्रृंखला में कुल 33 सटीक निशाने लगाए। वह चीन की सन यूजिए से सिर्फ एक अंक पीछे रहीं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सन की हमवतन याओ कियानशुन ने 29 अंक लेकर कांस्य पदक पर कब्ज़ा किया। इससे पहले दिन में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, मिश्रित टीम पिस्टल विश्व विजेता एशा सिंह और सिमरनप्रीत — तीनों भारतीय निशानेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। क्वालिफाइंग में मनु भाकर ने 585 अंकों के साथ दूसरा, सिमरनप्रीत ने 580 अंकों के साथ पांचवां और एशा सिंह ने 575 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया। एशा इससे पहले अर्जेंटीना विश्व कप में इस स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी हैं। तीन चीनी निशानेबाज़ों ने भी फाइनल में जगह बनाई, इसके अलावा जर्मनी की डोरीन वेनकैंप और कई बार की महाद्वीपीय चैम्पियन एंड्रिया पेरेज पेना भी अंतिम दौर में पहुँचीं। फाइनल मुकाबले की पहली श्रृंखला में चीनी खिलाड़ियों ने 1-2-3 पोजिशन पर कब्ज़ा कर लिया, जबकि भारतीय निशानेबाज़ दूसरी श्रृंखला से लय में आती नज़र आईं। सिमरनप्रीत ने दूसरी श्रृंखला में 4 अंक, एशा ने तीसरी श्रृंखला में 5 अंक बनाए। छठी श्रृंखला के बाद मनु और सिमरनप्रीत ने 5-5 अंक अर्जित किए, जबकि एशा ने 4 अंक बनाए। इसके बाद मनु, एशा और डोरीन के बीच पहला शूट-ऑफ हुआ, जिसमें एशा बाहर हो गईं। अगले शूट-ऑफ में मनु ने डोरीन को हराकर उन्हें पांचवें स्थान पर धकेल दिया। इस समय तक सिमरनप्रीत 23 अंकों के साथ सन (25 अंक) और याओ (22 अंक) के बीच आ चुकी थीं। अगली श्रृंखला में मनु की किस्मत ने उनका साथ छोड़ दिया और मुकाबले के अंत तक शीर्ष तीन खिलाड़ियों के बीच एक-एक अंक का फासला कायम रहा। यह भारत का इस प्रतियोगिता में चौथा रजत पदक था। इसके अलावा भारत को अब तक दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक भी मिल चुका है।

केकेआर की बल्लेबाज़ी पर अजिंक्य रहाणे बरसे, ब्रावो बोले- 'खिलाड़ियों ने खो दिया है आत्मविश्वास'

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। सोमवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) के हाथों मिली 39 रन की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए। रहाणे ने कहा कि गेंदबाज़ अच्छा कर रहे हैं, लेकिन लगातार नाकाम हो रही बल्लेबाज़ी हार की वजह है। वहीं टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी माना कि खिलाड़ी आत्मविश्वास खो चुके हैं। रहाणे ने बल्लेबाज़ों को ठहराया हार का ज़िम्मेदार मैच के बाद रहाणे ने कहा, मुझे गेंदबाज़ों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमारी बल्लेबाज़ी इस पूरे टूर्नामेंट में जूझती नज़र आई है। 199 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन एक अच्छी शुरुआत की ज़रूरत थी, जो हम नहीं दे सके। उन्होंने आगे कहा, जब आप बड़ा स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो सलामी बल्लेबाज़ों की साझेदारी अहम होती है। यही वह क्षेत्र है, जिसमें हम पिछड़ रहे हैं। हमारी शुरुआत लगातार खराब रही है और इसका असर नतीजों पर पड़ा है। ब्रावो ने कहा- बल्लेबाज़ खो चुके हैं आत्मविश्वास टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, सच्चाई यही है कि हमारी टीम ठीक से बल्लेबाज़ी नहीं कर रही है। सिर्फ आंद्रे रसेल ही नहीं, कई खिलाड़ी खराब फॉर्म में हैं। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है, जहां अगर शुरुआत खराब हो जाए, तो खिलाड़ी आत्मविश्वास खो देते हैं। यही इस समय हमारे साथ हो रहा है। ब्रावो ने ये भी कहा कि रसेल को हर बार 14-15 रन प्रति ओवर की दर से बल्लेबाज़ी करनी पड़ रही है। काम सलामी बल्लेबाज़ों और ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों को करना है ताकि रसेल मैच समाप्त कर सकें। हम दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों का संयोजन बनाकर खेलना चाहते थे, इसी वजह से अंगकृष रघुवंशी को नीचे भेजा गया। लेकिन जब खिलाड़ी लय में ना हों, तो योजनाएं भी बेअसर हो जाती हैं।

विस्डन वार्षिक स्मारिका में भारत का जलवा, जसप्रीत बुमराह बने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

नई दिल्ली। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को प्रतिष्ठित विस्डन क्रिकेटर्स अल्मनैक 2025 में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर घोषित किया गया है। वहीं महिला क्रिकेट में स्मृति मंधाना ने भी इतिहास रचते हुए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का सम्मान हासिल किया। इस बार इन सम्मानों में भारतीय क्रिकेट का शानदार दबदबा रहा। बुमराह ने रचा अनोखा कीर्तिमान, बने 'वर्ष के सितारे' साल 2024 में जसप्रीत बुमराह ने अपनी धारदार गेंदबाज़ी से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट 20 से कम की औसत से लेने वाले पहले गेंदबाज़ बनकर नया इतिहास रच दिया। विस्डन के संपादक लॉरेंस बूथ ने उन्हें वर्ष का सबसे बड़ा सितारा बताते हुए कहा कि बुमराह इतने खतरनाक और अनूठे गेंदबाज़ रहे कि उनके खिलाफ बनाए गए रन दोगुने माने जाने चाहिए थे। बुमराह ने इस दौरान 71 टेस्ट विकेट 15 की औसत से चटकाए और टी20 विश्व कप 2024 में भारत को चैंपियन भी बनाया। स्मृति मंधाना का ऐतिहासिक प्रदर्शन भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा 1659 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 4 एकदिवसीय शतक जड़े, जो किसी भी महिला क्रिकेटर के लिए एक वर्ष में नया कीर्तिमान है। इसके अलावा उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में 149 रनों की शानदार पारी खेलते हुए भारत को 10 विकेट से जीत दिलाई। निकोलस पूरन बने विश्व के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ी वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज़ निकोलस पूरन को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर घोषित किया गया। 'पांच क्रिकेटर ऑफ द ईयर' में सर्रे का दबदबा इस बार विस्डन के %वर्ष के पाँच क्रिकेटर% में सर्रे काउंटी के तीन खिलाड़ियों — गस एटकिन्सन, जेमी स्मिथ और डैन वॉरल — को शामिल किया गया। इनके अलावा हैम्पशायर के लियाम डॉसन और इंग्लैंड महिला टीम की सोफी एक्लेस्टोन को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाज़ा गया। न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सम्मान भारत के खिलाफ पुणे टेस्ट में मिचेल सैंटनर की 13 विकेट की धमाकेदार गेंदबाज़ी ने न्यूजीलैंड को 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई और भारत की 2012 के बाद पहली घरेलू टेस्ट श्रृंखला हार का कारण बनी। इसके लिए सैंटनर को विस्डन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

गंगालूर कैम्प में करंट लगने से सीआरपीएफ जवान की मौत

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में स्थित सुरक्षा कैम्प में करंट लगने से सीआरपीएफ 195वीं बटालियन में पदस्थ जवान सुजाय पाल की मौत हो गई। घटना की पुष्टि बीजापुर एसपी जितेन्द्र यादव ने की है। सोमवार रात्रि 9 बजे यह हादसा गंगालूर स्थित सीआरपीएफ कैंप में हुआ। मृतक जवान सीआरपीएफ195वीं बटालियन में पदस्थ सुजाय पाल को करंट लगने के तुरंत बाद प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह सऊदी अरब के लिए रवाना हो गए। वो क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने रवाना होने से पहले एक्स हैंडल पर लिखा, जेद्दा (सऊदी अरब) के लिए रवाना हो रहा हूं। वहां मैं विभिन्न बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लूंगा। भारत, सऊदी अरब के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को महत्व देता है। पिछले दशक में द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय गति आई है। मैं सामरिक भागीदारी परिषद की दूसरी बैठक में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। मैं वहां भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करूंगा।

अभिनेत्री कादंबरी जटवानी मामले में निलंबित आईपीएस अधिकारी अंजनेयुलु गिरफ्तार

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश सीआईडी के ??अधिकारियों ने प्रदेश के निलंबित आईपीएस अधिकारी और आंध्र प्रदेश खुफिया विभाग के पूर्व प्रमुख पीएसआर अंजनेयुलु को आज हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी मुंबई की अभिनेत्री कादंबरी जटवानी के उत्पीड़न मामले में की गई है। अंजनेयुलु ने वाईएसआरसीपी शासन के दौरान खुफिया प्रमुख के रूप में कार्य किया। वह पूर्व मुख्यमंत्री जगन के प्रति बेहद वफादार रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, उन्हें हैदराबाद से आंध्र प्रदेश स्थानांतरित किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सीआईडी ??अधिकारी जटवानी मामले की पूरी जांच करेंगे। अभिनेत्री की शिकायत पर दर्ज एफआईआर में अंजनेयुलु दूसरे आरोपित हैं। इस मामले में विजयवाड़ा के पूर्व पुलिस आयुक्त कांतिराना टाटा और आईपीएस अधिकारी विशाल गुन्नी को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। आरोप है कि वाईएसआरसीपी नेता कुक्कला विद्यासागर की झूठी शिकायत पर पुलिस ने जटवानी और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया था। इसके बाद अभिनेत्री जटवानी की शिकायत पर विद्यासागर के अलावा पीएस अंजनेयुलु, कांतिराना और विशाल गुन्नी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

बोकारो वन भूमि घोटाले में झारखंड और बिहार में ईडी का छापा

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज रांची में कई जगह पर मारा है। रांची के लालपुर, चुटिया और कांके रोड में ईडी की कार्रवाई चल रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने बोकारो भूमि घोटाले में झारखंड और बिहार के कुल 15 ठिकानों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई सुबह करीब सात बजे शुरू की गई। बताया जा रहा है कि रांची में कारोबारी विमल अग्रवाल और पुनीत अग्रवाल के ठिकानों पर ईडी के अधिकारी रिकार्ड खंगाल रहे हैं। इन दोनों की फर्म राजवीर कंस्ट्रक्शन पर भी दबिश दी गई है। इससे पहले 26 सितंबर, 2023 को इनके ठिकानों पर जीएसटी रिकार्ड खंगाल चुकी है। यह सभी बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट से संबद्ध हैं। ईडी की कार्रवाई के दायरे मे बोकारो में 74.38 एकड़ जमीन खरीदने वाले उमायुष मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े लोगों को भी शामिल किया गया है। ईडी ने बोकारो भूमि घोटाले के सिलसिले में विभिन्न थानों में दर्ज प्राथमिकी को ईसीआईआर के रूप में दर्ज करने के बाद यह कार्रवाई शुरू की है। बोकारो में संबंधित जमीन पर विवाद चल रहा है। वन विभाग का यह दावा है कि जमीन प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट है। जबकि जमीन की खरीद बिक्री में शामिल लोगों का यह दावा है कि यह जमीन उसके पूर्वजों ने ब्रिटिश शासन के दौरान 1933 में सरकार की ओर से की गई नीलामी में खरीदी थी। राज्य सरकार और वन विभाग के हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जमीन के सिलसिले में किये गये अलग-अलग दावों की वजह से भारतीय वन सेवा के दो अधिकारी न्यायालय के अवमानना के दोषी करार दिए जा चुके हैं।

मुर्शिदाबाद डायरी 4-दंगाई मुस्लिम भीड़ से छुपकर सात दिन के नवजात के साथ जान हथेली पर रख सप्तमी पार कर गई नदी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में दंगाई मुस्लिम भीड़ ने रूह कंपा देना वाला खूनी खेल खेला। यहां 20 फीसदी हिंदुओं के खिलाफ करीब 70 फीसदी पड़ोसी मुसलमानों के एकजुट हमले, लूटपाट और आगजनी की घटनाओं ने न केव?ल कई घरों को खाक कर दिया, बल्कि कई मासूम जिंदगियों को भी जिंदगी भर के लिए गुस्से और बदले की आग में झोंक दिया। सबसे रूह कंपाने वाली कहानी सप्तमी मंडल की है। वह प्रसव पीड़ा से उबर भी नहीं पाई थी कि उसे अपने नवजात शिशु को लेकर जान बचाने के लिए नदी पार करनी पड़ी। सात दिन पहले मां बनी सप्तमी को इतना भी वक्त नहीं मिला कि वो अपने नवजात की देखभाल ठीक से कर पाती। सप्तमी को बच्चे को दुनिया में आए महज सात दिन हुए थे। उसके घर में इसके आने की खुशी मनाई जा रही थी। इसकी किलकारी से इसके घर का कोना-कोना गूंज रहा था। अचानक शोर-गुल, तोड़-फोड़, लूट-पाट की आवाज में इसकी किलकारी दब गई। जब हिंसा का नंगा नाच शुरू हुआ और दंगाई मुस्लिम भीड़ ने घरों पर हमला बोला, तो उसकी मां ने अपने कंधे पर नवजात को रखा और भगवान के हवाले दोनों जिंदगियों को करके रात के अंधेरे में नदी के रास्ते अनजाने सफर पर निकल पड़ी। बाद में यह मासूम भी अपनी मां के साथ अपने ही देश में शरणार्थी बना रहा। जब यह बड़ा होगा तो वह किन यादों को लेकर जीएगा जरा सोचिए। अगर बीएसएफ पांच मिनट और ले लेती, तो मैं और मेरा बच्चा नहीं बचते सप्तमी की आंखों में आज भी उस रात का खौफ ताजा है। हिन्दुस्थान समाचार को वो बताती है, शनिवार (12 अप्रैल) को हमारे पड़ोसी के घर को आग के हवाले कर दिया गया। हमारे घर पर पत्थर फेंके गए। मेरे माता-पिता और मैं घर के भीतर छुप गए। नवजात की तबीयत बिगड़ने लगी। पड़ोस के बाद हमारे घरों पर हमले शुरू हुए थे। तभी बीएसएफ आ गई और हम भाग निकले। अगर पांच मिनट देरी से बीएसएफ आई होती तो हमारी जान नहीं बचती। हमारी आबरू भी लूटने वाली थी। धुलियान की रहने वाली सप्तमी ने बताया कि प्रसव पीड़ा से उबर भी नहीं पाई थी कि भागना पड़ा। उसने कहा, अगर बीएसएफ को आने में पांच मिनट की और देर होती, तो हमारे गांव की कई जिंदगियां खत्म हो जाने वाली थी। दंगाई पूरी तरह से हमारे घर को घेर चुके थे। मैंने अपने बच्चे को कंधे पर रखा और जैसे-तैसे नदी पार करके मालदा पहुंची। वहीं एक गांव ने हमें शरण दी। एक घर में हमने रात गुजारी जहां हमें खाना और कपड़े दिए गए। अगले दिन हम परलालपुर हाईस्कूल में शरणार्थी बन गए। हम अपनी ही जमीन पर शरणार्थी बन गए हैं सप्तमी की मां महेश्वरी मंडल ने बताया कि अंधेरे में नाव लेकर नदी पार की गई। दूसरे किनारे पर एक गांव था, वहां एक हिंदू परिवार ने हमें सहारा दिया। लेकिन अब हम दूसरों की दया पर हैं। हमारा सबकुछ वहीं छूट गया। तुलोरानी मंडल, प्रतिमा मंडल, नमिता मंडल, मौसमी जैसी कई महिलाएं भी इस हिंसा की शिकार हुई हैं, जो कई दिनों तक स्कूलों में शरणार्थी रही हैं। इन महिलाओं की मांग है कि उनके गांवों में स्थायी बीएसएफ कैंप बने ताकि वे अपने घरों को लौट सकें। प्रशासन ने किया राहत का दावा, लेकिन भरोसा नहींब्लॉक विकास अधिकारी सुकांत सिकदर ने बताया कि प्रशासन की ओर से खाने-पीने, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए आवश्यक सामान और तिरपाल का इंतजाम किया गया है। हालांकि राहत शिविर में रह रहे लोगों ने ठीक उल्टा दावा किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर उन्हें स्कूल के अंदर बंधक बनाकर रखने, धमकाने और बेहद ही खराब गुणवत्ता का खाना देने का आरोप लगाया।

यहां तक कि परिवार तक से नहीं मिलने दिया गया। उन्हें जैसे-तैसे धमका कर वापस मुर्शिदाबाद भेज दिया गया जहां दंगाई भीड़ उनके लिए संगीन की तरह खड़ी है। ऐसा इसलिए किया गया राहत शिविर में पहुंच रही मीडिया और अन्य लोगों को वास्तविक स्थिति का अंदाजा न लग सके। लेकिन जिनका सब कुछ लुट चुका है, उनके लिए यह राहत भी अधूरी है।सप्तमी जैसे सैकड़ों परिवार अब भी इस डर में जी रहे हैं कि अगर दोबारा हमला हुआ, तो कौन बचाएगा? सात दिन के बच्चे को लेकर नदी पार करने वाली मां की यह कहानी ऐसे कई बच्चों के भविष्य में कई सवाल छोड़ गई है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन। दुनिया के प्रमुख प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ सोमवार को संघीय न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। हार्वर्ड की गिनती दुनिया के सबसे धनी विश्वविद्यालयों में होती है। यह मुकदमा उच्च शिक्षा और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच चल रही लड़ाई के एक बड़े विस्तार का संकेत देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के सभी प्रमुख अखबारों में आज इस मुकदमे की चर्चा है। न्यूयॉर्क टाइम्स व अन्य समाचार पत्रों के अलावा हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के अखबार द हार्वर्ड क्रिमसन ने इस मुकदमे की विस्तार से जानकारी दी है। द हार्वर्ड क्रिमसन के अनुसार, हार्वर्ड ने 2.2 बिलियन डॉलर के फंडिंग फ्रीज को लेकर ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। साथ ही व्हाइट हाउस पर %%हार्वर्ड को उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए दंडित करने के लिए मनमाना और असंवैधानिक अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने मुकदमा दायर करने से एक दिन पहले हार्वर्ड से संघीय अनुदान और अनुबंधों में एक और एक बिलियन डॉलर की कटौती करने की घोषणा की। यह पिछले सप्ताह घोषित 2.2 बिलियन डॉलर की मौजूदा कटौती के अतिरिक्त है। संयुक्त राज्य अमेरिका की जिला अदालत में दायर की गई 51 पृष्ठ की शिकायत में 2.2 बिलियन डॉलर की रकम को फ्रीज करने से रोकने और फैसले को गैरकानूनी घोषित करने की मांग की गई है। शिकायत में कहा गया है, हम इस सच्चाई के लिए खड़े हैं कि देश भर के कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने कानूनी दायित्वों को स्वीकार कर सकते हैं और उनका सम्मान कर सकते हैं और अनुचित सरकारी हस्तक्षेप के बिना समाज में अपनी आवश्यक भूमिका को सर्वोत्तम तरीके से पूरा कर सकते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एलन एम. गार्बर 76 ने सोमवार दोपहर अपने सहयोगियों को एक संदेश में इस मुकदमे की जानकारी दी। विश्वविद्यालय ने संघीय एजेंसियों पर नागरिक अधिकार अधिनियम के शीर्षक छह के तहत कानूनी रूप से आवश्यक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने का भी आरोप लगाया है। गार्बर का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन ने कैंपस में यहूदी विरोधी भावना की चिंताओं को बहाने यह सब किया है। किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने से पहले कानून का पालन जरूरी है। गार्बर ने अपने संदेश में यहूदी विरोधी भावना और इस्लामोफोबिया से निपटने पर दो राष्ट्रपति कार्य बलों की लंबे समय से प्रतीक्षित अंतिम रिपोर्ट जल्द जारी करने का भी वादा किया है। अदालत में हार्वर्ड का प्रतिनिधित्व रॉबर्ट के. हूर %95 और विलियम ए. बर्क करेंगे। दोनों ही वकील राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गहरे संबंध रखते हैं। हूर को ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस में नियुक्त किया था। बर्क ने ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के लिए वकील के रूप में काम किया है। मुकदमे के अनुसार, रोप्स एंड ग्रे और लेहटोस्की केलर कोहन लॉ फर्म से जुड़े वकील भी हार्वर्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बस खाई में गिरी, 16 की मौत, 24 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक बस के खाई में गिर जाने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। हादसे में लगभग 24 लोग घायल हो गए। सिंध प्रांत के पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह हादसा जमशोरो जिले में बोला खान पुलिस स्टेशन के पास हुआ। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार की वेबसाइट पर आज सुबह जारी खबर में उपायुक्त गजनफर कादरी के हवाले से कहा गया है कि यह बस भील समुदाय के श्रमिकों को ले जा रही थी। यह लोग बलूचिस्तान में गेहूं की कटाई का काम पूरा करने के बाद घर लौट रहे थे। इस हादसे में 16 लोगों की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने पुष्टि की है कि दुर्घटना स्थल से कम से कम 12 शव बरामद किए गए हैं। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि चार घायलों ने जामशोरो के लियाकत यूनिवर्सिटी अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या 16 हो गई। बचाव दल ने बताया कि घायलों में से पांच को हैदराबाद के सिविल अस्पताल ले जाया गया। मृतकों में चार बच्चे भी शामिल हैं। बचाव अधिकारी ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। उपायुक्त कादरी ने बताया कि घायलों में से पांच को बोला खान के तालुका अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

व्यापार

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले हफ्ते के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। ईस्टर की छुट्टियों के कारण यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान भी बंद रहे। वहीं एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की आलोचना के बाद अमेरिकी केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता को लेकर पिछले सत्र के दौरान यूएस स्टॉक मार्केट में लगातार चिंता का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 124.50 अंक यानी 2.36 प्रतिशत टूट कर 5,158.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 415.55 अंक यानी 2.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,870.90 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 164.56 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,334.97 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,809.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.81 प्रतिशत उछल कर 6,498.32 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,301.59 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,492.28 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,136.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स भी 0.06 प्रतिशत लुढ़क कर 21,381.59 अंक के स्तर पर आ गया है। ताईवान वेटेड इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 268.37 अंक यानी 1.40 प्रतिशत टूट कर 18,837.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 110.29 अंक यानी 0.32 प्रतिशत फिसल कर 34,169.63 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,134.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत को इस साल अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने की उम्मीद : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को इस शरद ऋतु तक भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का पहला भाग सकारात्मक रूप से संपन्न होने की उम्मीद जताई है। वह दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के साथ बातचीत का उद्देश्य केवल पारस्परिक टैरिफ संबंधी मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के हित में है, जिसके साथ हमें समझौता करने की जरूरत है। सीतारमण ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में इंडिया कम्युनिटी सेंटर में आयोजित एक सामुदायिक सभा में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की। सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया, लेकिन 2021 में हमने स्पष्ट संकेत दिया कि हम अपने राजकोषीय घाटे को कैसे प्रबंधित करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 फीसदी से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम हर साल बिना चूके इसी का पालन कर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं, जहां वह अंतरराष?ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों तथा जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में शामिल होंगी। इसके अलावा उनका अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट से भी मिलने का कार्यक्रम है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों से भी बात करने की उम्मीद है।

एलआईसी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 7.05 फीसदी की

नई दिल्ली। देश और सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाकर 7.05 फीसदी कर ली है। एलआईसी ने सोमवार को नियामकीय फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि जीवन बीमा कंपनी ने डेढ़ साल की अवधि के दौरान खुले बाजार से 10.45 करोड़ अतिरिक्त शेयर खरीदें हैं, जिससे बैंक ऑफ बड़ौदा में हिस्सेदारी 5.03 फीसदी से बढ़ाकर 7.05 फीसदी हो गई है। इस तरह कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाई है। बीमा कंपनी ने जारी बयान में बताया कि 20 नवंबर, 2023 और 16 अप्रैल, 2025 के बीच किए गए अधिग्रहण के साथ मुंबई स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में एलआईसी की हिस्सेदारी 5.03 फीसदी से बढ़कर 7.05 फीसदी पर पहुंच गई है। हिस्सेदारी अधिग्रहण खुले बाजार में खरीद के जरिए किया गया। बॉम्?बे स?टॉक एक?सचेंज (बीएसई) पर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर 3.09 फीसदी की बढ़त के साथ 250.20 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 I31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569